वर्ष : 34 ➤ अंक :49 ➤ पृष्ठ : 8 ➤ मुंबई, शनिवार, 26 अप्रैल 2025 ➤ RNI: MAHHIN/49994/91 ➤ मूल्य : 3 रुपए ➤ epaper.dobajedopahar.com ➤ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सिंधु जल समझौते को निलंबित करने के फैसले पर अमल शुरु ➤ **तीन चरणों में लागू होगा फैसला**

पाक का घेरने का रोडमैप

- पाक को एक बूंद भी पानी न मिले इसकी तैयारी में जुटा भारत
- गृह व विदेश मंत्री के साथ बैठक में जल शक्ति मंत्री ने रखी कार्य योजना

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को निलंबित करने के फैसले के बाद इस पर अमल की तैयारी शुरू हो गई है। पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी न मिले भारत इसकी व्यवस्था में जुट गया है। भारत सरकार फैसले को तीन चरणों तत्काल उठाए जाने वाले कदम, मध्यम अवधि के योजना व दीर्घावधि योजना में लागू होगा। भारत सरकार इस बात की चाक चौबंद व्यवस्था करेगी कि पाकिस्तान को जाने वाली नदियों में जल प्रवाह तेजी से कम किया जाए। इसका सीधा असर वहां की खेती पर पड़ेगा। सिंधु जल समझौते को लेकर सरकार के बड़े फैसले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने मंत्रालय की कार्ययोजना की जानकारी दी। जल शक्ति मंत्री ने कहा है कि सिंधु जल समझौते को लेकर जो निर्णय लिया गया है उसका पालन किया जाएगा। पाकिस्तान को एक बूंद भी पानी मिले इसकी तैयारी है। बैठक में विदेशमंत्री एस जयशंकर के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

19 सितंबर 1960 को पंडित नेहरू और अयूब खान ने सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर किए

समझौते के तहत भारत-पाकिस्तान के बीच 6 नदियों के पानी का बंटवारा किया गया

पूर्वी नदियों के पानी का भारत तो पश्चिमी नदियों के पानी का इस्तेमाल पाकिस्तान करता है

पाक नागरिकों को जारी होने वाला 14 श्रेणियों का वीजा रद्द

भारत सरकार ने पाक नागरिकों को 14 श्रेणियों में जारी होने वाला वीजा रद्द कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि पाक नागरिकों को व्यापार, कॉन्फ्रेंस, आगुंतक और तीर्थयात्रा समेत अन्य के लिए जारी होने वाला वीजा रद्द कर दिया है। गृह मंत्रालय ने राज्यों को बताया है कि ये नियम लंबी अवधि के लिए जारी होने वाले वीजा पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा पाक नागरिकों को जारी होने वाले राजनयिक और आधिकारिक वीजा पर ये आदेश लागू नहीं होगा। मंत्रालय ने स्पष्ट कहा है कि पाकिस्तानी नागरिकों को नया वीजा जारी नहीं होगा।

अब पाकिस्तान की खैर नहीं

भारत ने स्क्रैमजेट इंजन का 1000 सेकेंड तक किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अपने मिसाइलों के परीक्षणों की संख्या को बढ़ा दिया है। एक दिन पहले INS सूरत युद्धपोत पर मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। इसके बाद भारत ने अगली पीढ़ी के स्टेशन हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, स्क्रैमजेट इंजन का 1,000 सेकंड से अधिक समय तक सफलतापूर्वक जमीनी परीक्षण किया है।

हाइपरसोनिक मिसाइल की क्षमता बढ़ाने में मिलेगी मदद

भारत में पहली बार 1000 सेकेंड के लिए अत्याधुनिक एक्टिव-कूल्ड स्क्रैमजेट कॉम्बस्टर का सफल जमीनी परीक्षण किया गया है। इस परीक्षण को भारत की अगली पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल की क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बता दें कि, स्क्रैमजेट हाइपरसोनिक मिसाइलों की अहम कड़ी है।

हवाई सुरक्षा प्रणाली को चकमा दे सकती है हाइपरसोनिक मिसाइलें

बता दें कि, हाइपरसोनिक मिसाइलें उन्नत हथियारों की एक श्रेणी है जो मैक पांच (Mac 5) (ध्वनि की गति से पांच गुना या 5400 किमी/घंटा से अधिक) से अधिक गति से उड़ान भरती हैं। दुनिया के सभी बड़े देश इन मिसाइलों को बनाने में जुटे हुए हैं क्योंकि ये मौजूदा मिसाइल और हवाई सुरक्षा प्रणालियों को चकमा दे सकती हैं। इनकी तेज रफ्तार, बेहतरीन कंट्रोल और कम ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता इन मिसाइलों की खासियत है।

पुणे में 111 पाकिस्तानियों की पहचान

केंद्र सरकार के फैसले के बाद पुणे में 111 पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान हुई है। सभी को 27 अप्रैल तक हर हाल में देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। पुणे के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय से पाकिस्तानी नागरिकों का डाटा जुटाने के बाद उनसे संपर्क किया गया। सभी को कहा गया है कि वे तय समय के भीतर भारत छोड़ दें, अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

खच्चर सर्विस वाला गिरफ्तार

पहलगाम अटैक के बाद वॉट्सएप पर एक तस्वीर और चैटिंग का स्क्रीनशॉट वायरल हुआ है। इसमें पहलगाम में खच्चर की सवारी कराने वाले एक शख्स की तस्वीर है। दावा किया गया कि खच्चर चलाने वाले ने उन लोगों से उनका धर्म पूछा था। वे लोग हथियार की बात भी कर रहे थे। वायरल तस्वीर पर कश्मीर पुलिस ने एक्शन लिया। उसमें नजर आ रहे शख्स की पहचान की। गांदरबल पुलिस ने शुक्रवार को तस्वीर में नजर आ रहे शख्स अयाज अहमद जुंगाल को गिरफ्तार किया। वो गांदरबल के गोहीपोरा रायजान का रहने वाला है। सोनमर्ग के थजवास ग्लेशियर में टट्टू सर्विस (खच्चर की सवारी) देता है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

सीसीएस के फैसलों को लागू कराने के लिए अमित शाह सक्रिय

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार एक्शन मोड में है। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को फोन किया और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ने के लिए निर्धारित समय सीमा से अधिक देश में न रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय समर्थन

आतंकियों को पकड़ने में करेंगे मदद : अमेरिका

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा कई यूरोपीय और अरब देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने में भारत को समर्थन का आश्वासन दे चुके हैं। इस बीच अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले को इस्लामिक हमला बताते हुए कहा है कि आतंकियों को पकड़ने में अमेरिका भारत को हर तरह से मदद करेगा। तुलसी गबार्ड ने कहा है कि इस मुश्किल वक्त में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने मोदी से की बात

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर पहलगाम हमले पर दुख जताया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत में कहा कि आतंकी हमले से वे पूरी तरह से स्तब्ध हैं। स्टार्मर ने कहा कि हमले में मारे गए लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने कहा कि वे घटना को लेकर भारत से नियमित संपर्क में रहेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

नामी बिल्डर ने गोली मारकर की खुदकुशी

नवी मुंबई। नवी मुंबई के प्रसिद्ध बिल्डर गुरु चिंचकर ने शुक्रवार सुबह अपने घर में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सुबह साढ़े 6 बजे बेलापुर के गावठाण इलाके में स्थित उनके निवास पर हुई । मामले की शिकायत उनके भतीजे ने नेरुल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस ने घटनास्थल से एक नौ एमएम पिस्टल और एक सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में गुरु चिंचकर ने नार्कोटिक्स विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार की जा रही प्रताड़ना का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि उनका बड़ा बेटा नवीन ड्रग तस्करी के मामले में आरोपी है और वर्षों से परिवार से दूर विदेश में रह रहा है।

महेश तपासे को प्रवक्ता पद से हटाया गया

मुंबई। हरियाणा के पानीपत में बन रहे शौर्य स्मारक का समर्थन करना राकांपा (शरद गुट) के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे को भारी पड़ गया है। स्मारक पर पार्टी की आंतरिक बैठक में मतभेद उभरने के बाद प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील ने बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सभी प्रवक्ताओं की नियुक्ति रद्द कर दी है। 16 अप्रैल को राकांपा (शरद) की मुंबई में हुई एक बैठक में वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड ने पानीपत में शौर्य स्मारक बनाने के सरकार के फैसले का विरोध किया। इस पर महेश तपासे ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पानीपत की लड़ाई में महाराष्ट्र के योद्धाओं का बड़ा योगदान रहा है।

सिक्किम में भारी बारिश से भूस्खलन

लाचेन। सिक्किम के ऊंचाई वाले हिल स्टेशनों लाचेन और लाचुंग में करीब 1000 पर्यटक फंस गए हैं। गुरुवार से लगातार भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के चलते यह स्थिति पैदा हुई। भूस्खलन के कारण कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसके चलते कई गाड़ियां फंस गईं। आज कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

राकांपा शरद गुट ने भंग की प्रवक्ताओं की समिति

पार्टी में असंतोष की अटकलों के बीच उठाया कदम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद गुट ने प्रवक्ताओं की समिति को भंग कर दिया है। पार्टी में असंतोष की अटकलों के बीच महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बड़ा कदम उठाया है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन में शामिल एनसीपी शरद गुट का इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया पर प्रतिनिधित्व करने के लिए 22 प्रवक्ता हैं। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि जयंत पाटिल की ओर से प्रवक्ताओं की समिति को भंग करने के बारे में एक पत्र मिला है और इस कदम का कोई कारण नहीं बताया गया है। हो सकता है कि पार्टी इकाई का पुनर्गठन किया जा रहा है।

लगातार सामने आ रहीं असंतोष की खबरें

महाराष्ट्र में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में एनसीपी केवल 10 सीटें ही जीत सकी थी। इसके बाद पार्टी के राज्य नेतृत्व के खिलाफ असंतोष बढ़ने की खबरें आ रही थीं। ऐसा कहा जा रहा है कि शरद पवार के पोते और पार्टी विधायक रोहित पवार के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल के साथ अच्छे संबंध नहीं थे। चर्चा यह भी है कि पाटिल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। लेकिन पवार और पाटिल दोनों ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। पिछले महीने पार्टी की कार्यसमिति की बैठक में शरद पवार ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि था कि चुनावी हार से निराश नहीं होना चाहिए।

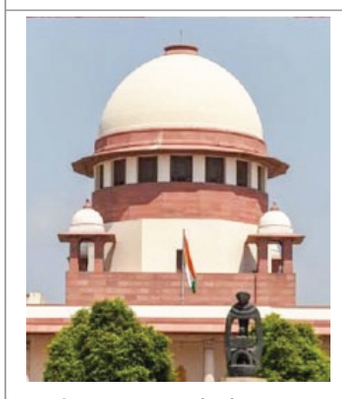

सावरकर टिप्पणी मामला

राहुल गांधी को सुप्रीम फटकार

राहुल को इतिहास-भूगोल नहीं मालूम: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ किसी को अनाप-शनाप बोलने की इजाजत नहीं दे सकते। उन्होंने हमें आजादी दिलाई और हम उनके साथ क्या व्यवहार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप आगे से ऐसा कोई बयान देंगे तो हम स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान मत दीजिए। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर पर टिप्पणी के मामले में राहुल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4 अप्रैल को समन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने राहुल की याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई शुरू होते ही जस्टिस दत्ता ने राहुल की टिप्पणी पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने सावरकर को अंग्रेजों का नौकर कहा था।

> आज सुप्रीम कोर्ट ने स्वतंत्र वीर सावरकर का अपमान करने वाला राहुल गांधी को जिस प्रकार से झन्नाटेदार चांटा दिया है, मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का बहुत आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि राहुल गांधी लगातार स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों का नायकों का अपमान करते रहे हैं और जिस भाषा का उन्होंने इस्तेमाल किया है उससे देश बहुत आहत है.
> -**देवेंद्र फडणवीस,** सीएम, महाराष्ट्र

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र में पाकिस्तानियों को 48 घंटे में बाहर निकाल दिया जाएगा: मुख्यमंत्री फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में रह रहे पाकिस्तानियों की पहचान तेज़ी से की जा रही है और उन्हें 48 घंटे के भीतर महाराष्ट्र से बाहर निकाल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान के नागरिकों का वीजा रद्द करने का फैसला लिया है। इस निर्णय के बाद, महाराष्ट्र में उनकी पहचान की प्रक्रिया तेज़ी से शुरू कर दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस स्टेशनों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक वीजा लेकर 48 घंटे से ज्यादा समय तक राज्य में न रहे।

कानूनी कार्रवाई का संकेत

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई नागरिक निर्धारित समय से ज्यादा देर तक राज्य में रुकेगा, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने के तहत पाकिस्तान से जुड़े नागरिकों की निगरानी और उन्हें राज्य से बाहर करना है।

उद्धव ठाकरे को देश की जनता माफ नहीं करेगी : सीएम फडणवीस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने गुरूवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, जिसमें शिवसेना (उद्धव) का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ था। अब इसी को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव गुट पर निशाना साधते हुए उन पर इतिहास भूलने का आरोप लगाया है। फडणवीस ने कहा कि मुझे इस बात का बहुत दुख है कि जब देश के दुश्मन पहलगाम जैसा हमला करते हैं तो उद्धव गुट के नेता हमले को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता इनको माफ नहीं करेगी। फडणवीस ने कहा कि जब बांग्लादेश युद्ध हुआ था तो उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का दिवंगत नेता अटल बिहारी वाजपेई ने पूरा समर्थन किया था। फडणवीस ने कहा कि यह हमारे देश के राजनीतिक दलों की नीति रही है कि जब देश पर संकट आता है तो सभी विपक्षी दल एक साथ खड़े हो जाते हैं। लेकिन पहलगाम हमले के दौरान जिस तरह से हमले का विरोध, मजाक और मूर्खतापूर्ण बयानबाजी की जा रही है, इसे देश की जनता माफ नहीं करने वाली है। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाती है तो उसमें उद्धव ठाकरे की पार्टी का कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं रहता है। यह देश के लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

महाराष्ट्र में फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र घोटाला

- मालेगांव में 3,127 प्रमाणपत्रों के जरिए बड़े फर्जीवाड़े का शक
- बैंक खातों में UPI से रिश्वत लेनदेन का खुलासा

डीबीडी संवाददाता | मालेगांव

महाराष्ट्र पुलिस द्वारा दर्ज 16 एफआईआर के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार (25 अप्रैल) को राज्य के विभिन्न जिलों में 9 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई फर्जी दस्तावेजों के जरिये बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारतीय जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के गंभीर आरोपों के तहत की गई। जांच एजेंसी ने मालेगांव, अकोला, लातूर, नासिक, परभणी समेत कई स्थानों पर छापे मारे। ईडी ने यह कार्रवाई मालेगांव पुलिस की दो एफआईआर पर आधारित ईसीआईआर (ECIR) की जांच के तहत की, जिसमें अगस्त 2023 से दिसंबर 2024 के बीच 3,127 फर्जी विलंबित जन्म प्रमाणपत्र जारी होने का खुलासा हुआ है। जांच में यह भी पाया गया कि इन प्रमाणपत्रों के लिए स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, आधार, राशन कार्ड जैसे फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया।

ईडी की 9 जगहों पर छापेमारी

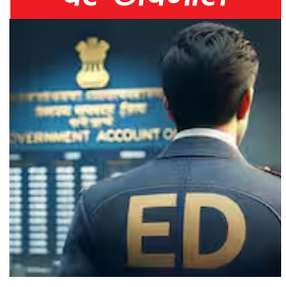

तहसीलदारों की शिकायत पर केस

अधिकांश एफआईआर विभिन्न तहसीलदारों की शिकायत पर दर्ज की गई थीं, जिसमें बताया गया कि आवेदकों ने जानबूझकर जालसाजी करके प्रमाणपत्र बनवाए। कई मामलों में आवेदक उस जिले के निवासी भी नहीं थे, जहां से उन्होंने आवेदन किया। आरोप है कि सरकारी अधिकारियों, स्कूल कर्मियों और एजेंटों की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा चल रहा था। ईडी को ऐसे प्रमाण भी मिले हैं कि आवेदकों द्वारा जमा किए गए दस्तावेज सरकारी रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते। कुछ मामलों में तो आवेदन में दिए गए शैक्षणिक संस्थान या तो अस्तित्व में ही नहीं थे या उनके पास संबंधित व्यक्ति का कोई रिकॉर्ड नहीं था।

UPI से रिश्वत का भुगतान, बैंक खातों में हुआ ट्रांजैक्शन का पता

ईडी को जांच में यह भी पता चला कि इन फर्जी प्रमाणपत्रों के बदले में एजेंट और अधिकारियों ने बड़ी मात्रा में रिश्वत ली, जो UPI और नकद के जरिए प्राप्त की गई। एक एजेंट के बैंक खाते की जांच में यह सामने आया कि मालेगांव तहसील के तत्कालीन नायब तहसीलदार की मिलीभगत से प्रमाणपत्र जारी किए गए, और UPI से रकम सीधे संबंधित आरोपियों को भेजी गई।

232 पर्यटक विशेष विमान से फिर पहुंचे मुंबई

इस बीच शुक्रवार को 232 पर्यटकों को लेकर श्रीनगर से एक और विमान मुंबई पहुंचा। मुंबई उपनगर के पालकमंत्री आशीष शेलार मुंबई हवाई अड्डे पर खुद लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए पहुंचे। शेलार ने कहा कि राज्य सरकार महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी हुई है। जब तक जम्मू कश्मीर में फंसे महाराष्ट्र के लोगों को वापस नहीं लाया जाता, तब तक सरकार का यह ऑपरेशन चलता रहेगा। इसके साथ ही शिवसेना (शिंदे) प्रमुख एकनाथ शिंदे निजी स्तर पर भी जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग जिलों के फंसे पर्यटकों को मुंबई वापस लाने का काम कर रहे हैं। शुक्रवार को शिंदे गुट की ओर से करीब 70 लोगों को अलग-अलग विमान के जरिए मुंबई वापस लाया गया।

पहलगाम के आदिल का घर बनवाएंगे शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार शाम को ही श्रीनगर से मुंबई वापस लौट आए। इस हमले में पर्यटकों की मदद करने वाले पहलगाम के आदिल सैयद हुसैन के घर शिंदे गुट के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जाकर मुलाकात की। शिंदे ने आदिल के परिजनों से वीडियो कॉल पर बात करते हुए आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए आदिल के साहस की सराहना की। आदिल के घरवालों ने शिंदे को बताया कि उनके बेटे ने आतंकवादियों से एक-47 छीनने की कोशिश की थी, जिसमें उसकी मौत हो गई। शिंदे ने आदिल के परिवार वालों को भरोसा दिया है कि वह उनके परिवार के रहने के लिए उनका घर जरूर बनवाएंगे। उसका पूरा खर्चा शिंदे गुट वहन करेगा।

20 मई तक सभी सड़कों की दुरुस्तीकरण का निर्देश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे सड़क दुरुस्तीकरण कार्यों का निरीक्षण करते हुए 20 मई तक सभी सड़कों की दुरुस्ती पूरी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जो कार्य मानसून से पहले पूरा नहीं हो पाएंगे, उन्हें मानसून के बाद शुरू किया जाए। आयुक्त राव ने घोड़बंदर रोड पर चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि 20 मई तक सड़क को यातायात के लिए खोल दिया जाए। इस दौरान मनपा, लोक निर्माण विभाग, एमएमआरडीए, मेट्रो और अन्य संबंधित प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ उन्होंने सड़क कार्यों की स्थिति का जायजा लिया।

मानसून पूर्व सड़क सुधार के निर्देश

आयुक्त ने ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, कपूरबावड़ी जंक्शन, घोड़बंदर रोड, सेवा रोड और गायमुख घाट क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिए कि नालों की सफाई, पानी के पाइप बिछाने, सीवरेज पाइप बदलने और सड़कों को कंक्रीट करने का काम 20 मई तक पूरा किया जाए। साथ ही, जिन क्षेत्रों में मेट्रो का काम पूरा हो चुका है, वहां पड़े बैरिकेड्स, पाइपलाइन, मलबे और अन्य अनावश्यक सामग्रियों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया।

नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील

घोड़बंदर रोड पर एक साथ कई कार्य चल रहे हैं, लेकिन आयुक्त ने आश्वस्त किया कि ये कार्य जल्द ही पूरे हो जाएंगे। उन्होंने जलदाय विभाग द्वारा सर्विस रोड पर जल चैनलों के कार्यों का भी निरीक्षण किया और नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और विपरीत दिशा में वाहन न चलाएं। आयुक्त सौरभ राव ने टीएमटी बस में निरीक्षण दौरा किया ताकि यातायात में कोई व्यवधान न हो, और अधिकारियों को सड़क कार्यों के निष्पादन की स्थिति का निरीक्षण करते हुए कार्यों की गति तेज करने का निर्देश दिया।

पहलगाम हमले ने लगाया अमरनाथ यात्रा पर ग्रहण

- ठाणे सरकारी अस्पताल में फिटनेस हेतु केवल एक आवेदन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का प्रभाव अमरनाथ यात्रा पर स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। ठाणे जिला सिविल अस्पताल में शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के लिए अनिवार्य मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र हेतु केवल एक व्यक्ति ने ही आवेदन किया।

अमरनाथ यात्रा पर हमले का साया

पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में 27 भारतीय पर्यटकों की मौत और 16 के गंभीर रूप से घायल होने के बाद श्रद्धालुओं में भय और असमंजस का माहौल देखा जा रहा है। जबकि जुलाई में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा की तैयारियां आमतौर पर अप्रैल से ही तेज हो जाती हैं, इस बार तीर्थयात्रियों की संख्या में गिरावट स्पष्ट दिख रही है। ठाणे सिविल अस्पताल ने 8 अप्रैल से अमरनाथ यात्रा के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र देना शुरू किया था। पहले दिन ही 75 श्रद्धालुओं ने आवेदन किया था। लेकिन, हमले के बाद से प्रमाणपत्र लेने वालों की संख्या में तेज़ गिरावट आई है।

श्रद्धालुओं में भय, पर्यटन क्षेत्र पर भी असर

हर साल लाखों श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर जाते हैं। इस वर्ष भी 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई गई थी, लेकिन हमले के बाद से यात्रा की रद्द होने वाली बुकिंग्स बढ़ गई हैं। इससे होटल व्यवसाय और ट्रैवल इंडस्ट्री पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। ठाणे जिला सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कैलाश पवार के अनुसार, इस साल अब तक 305 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 224 पुरुष और 81 महिलाएं शामिल हैं। महिलाओं की भागीदारी मात्र 20 प्रतिशत रही है।

सरकार ने की सुविधा की व्यवस्था

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राज्य सरकार ने मुंबई और ठाणे जिले के सभी मनपा अस्पतालों, सिविल अस्पतालों और उपजिला अस्पतालों में फिटनेस प्रमाण पत्र की सुविधा प्रदान की है। लेकिन मौजूदा हालातों में श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट अमरनाथ यात्रा पर गहराते संकट का संकेत दे रही है।

मुंब्रा में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

- काले झंडे और काली पट्टी बांधकर हजारों नागरिक सड़कों पर उतरे

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

कश्मीर के पहलगाम इलाके में हुए आतंकी हमले के विरोध में मुंब्रा क्षेत्र में एक विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ। पूर्व मंत्री डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में और सैयद अली की उपस्थिति में मुंब्रा के नागरिकों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे और काली पट्टी बांधकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राकांपा के कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष शमीम खान के आवाहन पर हजारों मुंब्रा निवासी अपनी तीव्र भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतरे। नमाज अदा करने के बाद, प्रदर्शनकारियों ने कौसा जामा मस्जिद के बाहर एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने रिजवी बाग मस्जिद, राकांपा कार्यालय, और तनवीर नगर में भी विरोध प्रदर्शन किया। नागरिकों ने रशीद कम्पाउंड में भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया।

आतंकी हमले को लेकर डॉ. जितेंद्र आव्हाड की प्रतिक्रिया

डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने पहलगाम हमले के लिए केंद्र सरकार को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सवाल उठाया, 'आतंकवादियों की हिट लिस्ट में शामिल इस क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति क्यों कमजोर थी? सेना के जवान कहां थे?' उन्होंने कहा, 'जब शवयात्रा देखने से देश के हर घर में आंसू छलक रहे थे, तो क्यों इस क्षेत्र में सुरक्षा नहीं थी?' आव्हाड ने इस हमले को सरकार की लापरवाही से जोड़ते हुए कहा, 'इस सरकार की नीति सवाल पूछने की नहीं है, लेकिन अब यह स्वीकार किया जा रहा है कि प्रणाली में त्रुटियां थीं। क्या इसका मतलब है कि आतंकवादियों के लिए दरवाजे खुले छोड़ दिए गए थे?'

सुनील तटकरे के हाथों महाराष्ट्र गौरव रथ यात्रा का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

संयुक्त महाराष्ट्र की स्थापना के 65 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राकांपा (अजित) द्वारा पूरे राज्य में महाराष्ट्र महोत्सव मनाया जा रहा है। इस मौके पर पार्टी की ओर से आयोजित महाराष्ट्र गौरव रथयात्रा का शुभारंभ उत्साह के साथ पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे के हाथों हुआ। यह रथयात्रा महाराष्ट्र के पाँच प्रमुख क्षेत्रों मराठवाड़ा, विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र और कोंकण से गुजरेगी। इस यात्रा के दौरान हुतात्मा स्मारक, मंदिर, दरगाह, गुरुद्वारे, तीर्थस्थलों से पवित्र मिट्टी, नदियों का जल और किलों की मिट्टी एकत्र कर मुंबई लाई जाएगी। महाराष्ट्र के कोने-कोने से, जहां महान व्यक्तित्वों का वास और योगदान रहा है, वहां की मिट्टी और नदियों का जल रथ पर सजे मंगल कलशों में एकत्र किया जाएगा। ये मंगल कलश एक मई से पहले मुंबई लाए जाएंगे।

यह रथयात्रा इन जिलों से गुजरेगी

- **मराठवाड़ा:** हिंगोली, परभणी, नांदेड़, लातूर, धाराशिव, बीड़, जालना, छत्रपति संभाजीनगर
- **विदर्भ:** नागपुर, भंडारा, गढ़चिरौली, चंद्रपुर, अमरावती, बुलढाणा, वाशिम, यवतमाल, अकोला, वर्धा
- **कोंकण:** सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, पालघर, ठाणे, मुंबई
- **पश्चिम महाराष्ट्र:** कोल्हापुर, सांगली, सातारा, सोलापुर, पुणे
- **उत्तर महाराष्ट्र:** जलगांव, नंदुरबार, धुले, अहिल्यानगर, नाशिक

एमडी ड्रग्स के साथ 25 वर्षीय तस्कर गिरफ्तार

6 लाख से अधिक की ड्रग्स जब्त

- नालासोपारा में एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | वसई

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नालासोपारा-पूर्व क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक 25 वर्षीय युवक को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 30.3 ग्राम एमडी बरामद हुआ है, जिसकी बाजार कीमत करीब 6,06,000 रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई 23 अप्रैल की रात लगभग 10 बजे आचोले तालाब के पास पंचम व्यू बिल्डिंग के समीप की गई।

टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक इलाके में ड्रग्स सप्लाई करने वाला है। मौके पर पहुंची टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि युवक एमडी बेचने के इरादे से वहां आया था। उसके खिलाफ आचोले पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ड्रग्स के खिलाफ लगातार कार्रवाई

गौरतलब है कि एमबीवीवी पुलिस ने बीते कुछ महीनों में ड्रग्स के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इस महीने की शुरुआत से अब तक कई विदेशी नागरिकों समेत ड्रग्स माफियाओं की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगा।

महाराष्ट्र सरकार की उड़ान योजना

- शिर्डी हवाई अड्डे पर दो हेलीपैड बनाने मंजूरी
- अमरावती और लातूर एयरपोर्ट के विकास पर भी जोर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी नाशिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ कुंभमेला 2027 को ध्यान में रखते हुए शिर्डी एयरपोर्ट के विस्तार की योजना को हरी झंडी मिल गई है। महाराष्ट्र सरकार ने यहां दो नए हेलीपैड और आठ पार्किंग स्थल बनाए जाने की मंजूरी दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई महाराष्ट्र हवाईअड्डा प्राधिकरण की निदेशक मंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

शिर्डी एयरपोर्ट होगा कुंभ यात्रा का मुख्य प्रवेश द्वार

मुख्यमंत्री ने कहा कि नाशिक में आयोजित होने जा रहे सिंहस्थ कुंभ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हवाई मार्ग से पहुंच सकते हैं। चूंकि नाशिक एयरपोर्ट की क्षमता सीमित है, इसलिए पास के शिर्डी एयरपोर्ट का विस्तार जरूरी हो गया है। इस विस्तार में कार्गो टर्मिनल, दो हेलीपैड, आठ पार्किंग स्थल और टर्मिनल अपग्रेडेशन शामिल हैं।

अमरावती एयरपोर्ट का विस्तार जरूरी

मुख्यमंत्री ने अमरावती में औद्योगिक विस्तार को देखते हुए वहां के एयरपोर्ट की हवाई पट्टी को बढ़ाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से राजस्व की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए इसका सुस्पष्ट प्रारूप तैयार किया जाए। लातूर एयरपोर्ट का तेजी से विकास कर बीड़ और धाराशिव के यात्रियों को भी सुविधा देने की योजना है। कराड एयरपोर्ट (जिला सातारा) पर नाइट लैंडिंग की सुविधा विकसित की जाएगी। चंद्रपुर एयरपोर्ट पर चार्टर्ड विमानों के लिए रनवे विस्तार होगा। वहीं, गडचिरोली एयरपोर्ट के लिए दो-तीन वैकल्पिक स्थानों की पहचान की जा रही है। राज्य में केंद्र की 'उड़ान' योजना के अंतर्गत अभी 16 मार्गों पर हवाई सेवाएं शुरू हैं। इसके अलावा, 8 नए रूटों के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए हैं। बैठक में रत्नागिरी, अकोला, कोल्हापुर, नांदेड़ और धुलिया एयरपोर्ट के प्रगति कार्यों की भी समीक्षा की गई।

वाटर टैक्सियों को मिलेगी रफ्तार

नौ रूटों की पहचान, 15 नए जेटी के निर्माण से यात्रा समय में कमी आएगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार जल्द ही जल टैक्सियों की अवधारणा को लागू करेगी। इसके लिए कोच्चि जल मेट्रो परियोजना से मदद ली जा रही है। मुंबई महानगर क्षेत्र में 15 नए जेटी बनाने की योजना है। राज्य के मत्स्य विकास मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि जल टैक्सियों के लिए नौ मार्गों की पहचान की गई है और इनका काम जल्द ही शुरू हो जाएगा।

कब पूरी होगी परियोजना?

राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कोच्चि जल मेट्रो परियोजना का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में मुंबई पहुंचा था। इस प्रतिनिधिमंडल की रिपोर्ट के बाद पता चला है कि मुंबईकरों को ट्रैफिक की भीड़ से राहत दिलाने के लिए जल टैक्सी परियोजना की तैयारी शुरू हो गई है। महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड की मदद से जल टैक्सी परियोजना पर काम जल्द ही शुरू होगा। यह भी कहा जा रहा है कि राज्य सरकार की मंशा अगले दो साल में इस परियोजना को पूरा करने की है। इसके बाद दूसरे चरण में रो-रो सेवा और जल एंबुलेंस शुरू की जाएगी।

क्या होगा रूट?

- नारंगी-नमक वडेश्वरी
- वसई-मीरा भयंदर-फव्वारा जेट्टी-गयमुख-नागले
- कोलशेत-काल्हेर-मुम्ब्रा-कल्याण
- कल्याण-मुंब्रा-मुलुंड-ऐरोली-वाशी-डीटीसी-गेटवे
- मुलुंड-ऐरोली-डीटीसी-गेटवे
- मीरा भयंदर-वसई-बोरीवली नरीमन पॉइंट मांडवा
- बेलापुर-गेटवे-मांडवा बोरीवली गोराई नरीमन पॉइंट

मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों को फायदा

कोच्चि जल मेट्रो परियोजना की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र में 21 स्थलों की पहचान की गई है जहां जेटी का निर्माण किया जाएगा। इस जल टैक्सी परियोजना से मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों के नागरिकों को लाभ होगा।

बदलापुर एनकाउंटर मामला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीआईडी को लगाई फटकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बदलापुर एनकाउंटर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली कड़ी फटकार के बाद अब महाराष्ट्र पुलिस की सीआईडी केस के पेपर्स को मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा गठित एसआईटी को ट्रांसफर करने को तैयार हो गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बदलापुर एनकाउंटर मामले की जांच स्टेट CID से लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच की SIT को 7 अप्रैल को सौंपा था, लेकिन तब से लेकर आज तक ना ही स्टेट CID ने मुंबई क्राइम ब्रांच को केस के पेपर्स ट्रांसफर किए और ना ही मुंबई क्राइम ब्रांच ने उन पेपर्स को हासिल करने की कोई कवायद की। महाराष्ट्र पुलिस की दोनों एजेंसियों के काम करने के तरीके से खफा बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ कंटेंप्ट की प्रोसिडिंग शुरू करने की चेतावनी दी, जिसके बाद स्टेट CID ने अदालत को कहा कि वह शुक्रवार शाम तक केस पेपर्स मुंबई क्राइम ब्रांच की SIT को ट्रांसफर कर देंगे।

कोर्ट ने ज्वाइंट सीपी को कोर्ट में पेश होने का दिया निर्देश

कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी जांच CID से मुम्बई क्राइम ब्रांच की एसआईटी को हस्तांतरित नहीं किए जाने से कोर्ट नाराज था। कोर्ट ने सवाल किया कि18 दिन बाद भी एफआईआर क्यों नहीं? कोर्ट ने इस दौरान लखमी गौतम को जांच दस्तावेजों के साथ शुक्रवार दोपहर में पेश होने का निर्देश दिया। सरकारी वकील ने बताया कि 7 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। बॉम्बे हाइकोर्ट ने सरकारी वकील की एक भी दलील नहीं मानी और स्टेट CID के अफसर और मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट सीपी को दोपहर में कोर्ट के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया।

न्यायाधीश और वकील के बीच बहस

इसके बाद मुंबई पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर क्राइम लखमी गौतम राज्य सीआईडी के अधिकारियों के साथ कोर्ट में हाजिर हुए। बेंच ने सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर से पूछा कि उनके खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। वेनेगावकर ने कोर्ट को यह समझाने की कोशिश की कि बेंच के निर्देशानुसार ज्वाइंट कमिश्नर ने मामले में आगे की जांच के लिए अपनी टीम गठित कर दी है।

कोर्ट में हुई सुनवाई

शुक्रवार को जब बॉम्बे हाइकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई तो कोर्ट ने मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमिश्नर लखमी गौतम को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की दो सदस्यीय पीठ ने ये निर्देश दिया। कोर्ट ने पूछा कि अब तक आरोपी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई? कोर्ट ने कहा कि ये अदालत की अवमानना है। बता दें कि ये मामला बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी अक्षय शिंदे का कथित मुठभेड़ का था, जिसमें कोर्ट ने 7 अप्रैल को तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

मुंबई साइबर पुलिस ने फर्जी लोन कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़

- 3 आरोपी हुए गिरफ्तार
- वरिष्ठ नागरिकों से 1.14 करोड़ की ठगी

मुंबई। मुंबई पुलिस की साइबर सेल ने दिल्ली में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है, जो 'जीरो इंटरेस्ट लोन' के नाम पर देशभर के नागरिकों को ठग रहा था। इस सिलसिले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने बजाज फाइनेंस और यस बैंक के नाम से फोन कर वरिष्ठ नागरिकों को लोन का झांसा दिया और फर्जी दस्तावेजों व नकली मुहरों के जरिए करोड़ों की ठगी की।

गिरफ्तार आरोपी और जब्त सामान

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शहजाद लाल मोहम्मद खान उर्फ रहमान, अनुज उत्तम सिंह रावत उर्फ अनिल कुमार यादव, और मोहम्मद आमिर हुसैन के रूप में हुई है। इनके पास से 105 मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया गया है।

जांच में सामने आया है कि आरोपी जिन मोबाइल नंबरों से कॉल करते थे, वे नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर पहले से ही 132 अलग-अलग मामलों में संदिग्ध पाए गए हैं।

1.14 करोड़ की ठगी की शिकायत के बाद खुलासा

एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत पर जांच शुरू हुई, जिसमें उनसे करीब 1 करोड़ 14 लाख रुपये की ठगी की गई थी। इसके बाद मुंबई साइबर पुलिस ने दिल्ली के आनंद विहार, हरी नगर इलाके में स्थित मैक्सिमाइजर मार्केटिंग (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्जी कॉल सेंटर पर छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों पर IT एक्ट और BNS की धाराओं में केस

मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी दत्ता नलावडे ने बताया कि आरोपियों पर आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की गहराई से जांच जारी है।

आतंकियों को मिलेगा करारा जवाब: अजित पवार

स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाने की भी बात कही

पुणे / मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि देश का हर नागरिक चाहता है कि इस हमले का जवाब दिया जाए और दोषियों को बख्शा न जाए। साथ ही, पुणे में एक गर्भवती महिला की मौत के मामले को 'हृदय विदारक' बताते हुए उन्होंने राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की बात कही।

पुणे में राज्य परिवार कल्याण भवन एवं प्रशिक्षण केंद्र के शिलान्यास समारोह और 43 नए 'आपला दवाखाना' क्लीनिकों के उद्घाटन कार्यक्रम में पवार ने कहा, "हमने हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी है, जिनमें महाराष्ट्र के छह लोग भी शामिल हैं। यह हमला एक कायरतापूर्ण कृत्य है जिसमें निर्दोष पर्यटकों की जान गई। मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय सेना इसके लिए जिम्मेदार लोगों को खत्म करेगी।" उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं और सभी संबंध समाप्त कर दिए गए हैं। पूरा देश इस समय एकजुट होकर जवाब की मांग कर रहा है।

गर्भवती महिला की मौत पर जताया दुख, दोषियों पर कार्रवाई की चेतावनी

पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में इलाज से इनकार किए जाने पर एक गर्भवती महिला की मौत के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा, "यह घटना दिल दहला देने वाली है। इससे न केवल मृतका के परिवार को पीड़ा पहुंची है, बल्कि समाज की अंतरात्मा भी आहत हुई है।" उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। जांच शुरू हो चुकी है और प्रारंभिक रिपोर्ट मिल गई है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कॉमेडियन कुणाल कामरा की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

- शिंदे को 'गद्दार' कहने के मामले में याचिका पर सुनवाई जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बड़ी राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वे कामरा का बयान तमिलनाडु में स्थानीय पुलिस की मदद से दर्ज करें, लेकिन गिरफ्तारी की कोई कार्रवाई न की जाए। हालांकि, कोर्ट ने मामला रद्द करने पर अभी कोई निर्णय नहीं दिया है।

क्या है मामला?

मुंबई में एक स्टैंडअप शो के दौरान कामरा ने एक गाने के माध्यम से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' कह दिया था। इस टिप्पणी को लेकर शिवसेना (शिंदे गुट) ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज किया।

याचिका और दलीलें

कामरा की ओर से वकील मीनाज काकलिया ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर को रद्द करने की मांग की। सुनवाई के दौरान वकीलों ने दलील दी कि इससे पहले कई नेता शिंदे को 'गद्दार' कह चुके हैं। केवल कामरा के खिलाफ कार्रवाई करना पूर्वाग्रहपूर्ण है। पूछताछ के नाम पर कामरा के माता-पिता को परेशान किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर हमले की धमकियां दी जा रही हैं।

हाई कोर्ट का आदेश

गिरफ्तारी पर रोक : अगली सुनवाई तक कामरा की गिरफ्तारी नहीं होगी। बयान दर्ज करने की छूट : मुंबई पुलिस को तमिलनाडु में स्थानीय पुलिस की मदद से बयान लेने की अनुमति दी गई है। चार्जशीट दाखिल करने की अनुमति: निचली अदालत में पुलिस आरोपपत्र दाखिल कर सकती है, लेकिन कोई संज्ञान नहीं लिया जाएगा: निचली अदालत चार्जशीट पर अगली सूचना तक कोई कदम नहीं उठाएगी।

शिंदे समूह के विधायक अर्जुन खोतकर और उनके बेटे को जान से मारने की धमकी

मुंबई। शिवसेना शिंदे समूह के जालना निर्वाचन क्षेत्र के विधायक अर्जुन खोतकर और उनके बेटे अभिमन्यु खोतकर को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है।

अभिमन्यु खोतकर ने इस संबंध में जालना तहसील पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार विधायक अर्जुन खोतकर और उनके बेटे अभिमन्यु खोतकर को चार अलग-अलग इंस्टाग्राम अकाउंट से गोली मारने की धमकियां दी गई हैं।

सूचना

मेरा नाम ANURAG MANISH MODI था, परन्तु अब बदल कर ANURAGG MANISH MODI कर लिया है। आज की तारीख से मुझे ANURAGG MANISH MODI के नाम से जाना पहचाना जाय।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने 'बेस्ट' के कार्यों की समीक्षा की

- रूट 30 पर रवाना की नई बस

रूट क्रमांक 30 पर नई बस को दिखाई हरी झंडी

मुंबई। मुंबई की जीवनरेखा माने जाने वाले बेस्ट (BEST) उपक्रम के कार्यों की समीक्षा हेतु शुक्रवार दोपहर सह्याद्री अतिथि गृह में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई के नागरिकों की यात्रा को अधिक सुखद और आरामदायक बनाने के लिए बेस्ट को अत्याधुनिक बसों और प्रभावी सुविधाओं से लैस किया जाना जरूरी है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि बेस्ट को अपनी आय के वैकल्पिक स्रोत भी विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

समीक्षा बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने रूट क्रमांक 30 पर एक नई बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह कदम शहर में सार्वजनिक परिवहन को सशक्त और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

इस समीक्षा बैठक और बस शुभारंभ कार्यक्रम में राज्य के कई वरिष्ठ अधिकारी और नेता उपस्थित रहे, जिनमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मुंबई उपनगरीय जिले के पालकमंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सहपालकमंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, मुंबई मनपा आयुक्त व प्रशासक भूषण गगरानी, नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजगोपाल देवड़ा, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, ऊर्जा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव आभा शुक्ला और बेस्ट के महाप्रबंधक एस.वी.आर. श्रीनिवास शामिल थे।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस से भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09013	बांद्रा (टी) - भावनगर (टी) (सुपरफास्ट स्पेशल)	29.04.2025	19:25 बजे (मंगलवार)	09:00 बजे (अगले दिन)
09014	भावनगर (टी) - बांद्रा (टी) (सुपरफास्ट स्पेशल)	30.04.2025	17:45 बजे (बुधवार)	07:25 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद, ढोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 3-टियर और एसी चेयर कार कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 09013 और 09014 के लिए बुकिंग 26.04.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: x.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान प्रमाण साथ रखें

इरला नाले से अतिक्रमण हटाने का आदेश

हाई कोर्ट ने बीएमसी को सर्विस रोड बहाल करने को कहा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांबे हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (BMC) को आदेश दिया है कि वह विलेपार्ले स्थित जुहू पीवीआर के सामने इरला नाले के दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाए और सर्विस रोड को बहाल करे।

यह आदेश एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिका में नाले की सफाई, अतिक्रमण हटाने और जीर्ण-शीर्ण सर्विस रोड को पुनः तैयार करने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति मकरंद कार्णिक की पीठ ने मामले की सुनवाई की।

मनपा ने दी प्रगति की जानकारी

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वह पिछले आठ वर्षों से मनपा से संपर्क कर रहा है, लेकिन उचित कार्रवाई नहीं हुई। इसके जवाब में, मनपा ने कोर्ट को सूचित किया कि पश्चिमी किनारे से अतिक्रमण हटाने का कार्य जारी है और जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

पूर्वी किनारे पर एसआरए योजना के तहत पुनर्वास

मनपा ने यह भी बताया कि पूर्वी किनारे पर झुग्गी पुनर्वास योजना (एसआरए) के तहत 33 पात्र अतिक्रमणकारियों के पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है। पुनर्वास पूर्ण होते ही वहां भी सर्विस रोड को बहाल कर दिया जाएगा। कोर्ट ने मनपा की दलीलों को संज्ञान में लेते हुए निर्देश दिया कि अतिक्रमण जल्द हटाया जाए और सर्विस रोड को बहाल किया जाए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
-सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संरक्षण अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8(3)(सी) के प्रावधानों के अनुसार जोन VI के 'एस' वार्ड से 01 प्रस्ताव अर्थात कुल 01 प्रस्ताव प्रभावित वृक्षों को हटाने के लिए वृक्ष प्राधिकरण/मनपा आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है।

उपर्युक्त प्रस्तावों में कटाई/रोपण हेतु वृक्षों की जानकारी बीएमसी की वेबसाइट- https://portal.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है। हमारे बारे में वार्ड/विभाग विभाग मैनुअल उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण वृक्ष प्राधिकरण 10-सार्वजनिक सूचना 7 दिन

उपर्युक्त प्रस्तावों के लिए नागरिकों से आपत्ति/सुझाव, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर उद्यान एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए जाते हैं।

आप अपने सुझाव/आपत्ति निर्धारित प्रारूप में dysg.ta@mcgm.gov.in इस ईमेल-आईडी पर भी प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय में प्राप्त निर्धारित प्रारूप में आपके सुझाव/आपत्तियां नोट की जाएंगी। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों/सुझावों की सुनवाई 05/05/2025 को शाम 04.30 बजे से 05.00 बजे तक उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में की जाएगी। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं, वे अपने ई-मेल, सुझाव/आपत्ति की प्रति के साथ उपस्थित रह सकते हैं।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी पेंगुइन बिल्डिंग, द्वितीय तल वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान डॉ. अंबेडकर रोड, भायखला (पूर्व), मुंबई-400 027
दूरभाष संख्या 23742162,
ई-मेल-dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता./-
उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी

पीआरओ/243/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि –'हमारे नाम पर नहीं।' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए। एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले के लिये पूरे राज्य के लोगों को दोषी ठहराना सांप्रदायिक सद्भाव को पलीता लगाने जैसा है, जो हमारे धर्मनिरपेक्ष सामाजिक ताने-बाने को नुकसान भी पहुंचा सकता है। हमें विगत में आतंकी हमले के लिए संप्रदाय विशेष को दोषी ठहराने के बाद हुई प्रतिक्रियाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कोशिश हो घटनाक्रम के बाद उपजे शोर में समझदार आवाजें दब न जाएं।

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

विवेक काटजू

पिछले 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है। इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई। देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेवार लोगों से जवाबतलबी हो। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं। हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है। पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी। यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद। इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है। जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है। इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा। अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है। वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं। इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ। पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को 'फर्स्टपोस्ट' में एक लेख लिखा। इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है : 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'। चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'।

पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है। भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला। टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती। यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है। ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे। इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे। भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी। यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व-प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है। अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें। और, निश्चित रूप से उन्हें पाकिस्तान को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के हल में हस्तक्षेप न करें, जैसा कि पाकिस्तानी सेना हमेशा से करवाना चाहती रही है'। मुनीर का यह कहना कि जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान की 'गले की नस' है, भी पुरानी बात है। मुनीर के इस भाषण में भारत के प्रति दुश्मनी स्पष्ट झलकती है, लेकिन मौजूदा आतंकी हमले का कारण जानने के लिए चौधरी के बयान पर वापस आना जरूरी है। बैसरन हमले के जवाब में रणनीति बनाते समय मोदी को पूरा अहसास होगा कि देश के कोने-कोने से आए निर्दोष नागरिकों की हत्या का यह कांड भारतीय जनता के लिए 'अस्वीकार्य' की श्रेणी में है। इसके उलट, उड़ी और पुलवामा में हुए हमले भारतीय सैनिकों के खिलाफ थे। जाहिर है, कोई भी प्रतिक्रिया अचानक से या तत्काल नहीं हो सकती, लेकिन वह होनी चाहिए, जो भारतीय जनमानस को प्रभावी रूप से संतुष्ट करे। जाहिर है, बैसरन के बाद कोई बना बनाया नुस्खा पेश करना आसान नहीं होगा। अपरिहार्य है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने को महाशक्तियां बीच-बचाव करने आएं। पाक जनरलों का आग्रह होगा कि द्विपक्षीय समस्याओं यानी जम्मू-कश्मीर समस्या के मूल कारणों में जाने के लिए उनकी भागीदारी जरूरी है। वे इसपर अमल के लिए यूएनएससी या डोनाल्ड ट्रम्प का आह्वान कर सकते हैं, लेकिन भारत को दो टूक स्पष्ट करना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से ही सुलझाया जाए। भारत ने कूटनीतिक तरीके से पहला झटका दिया है कि 1960 की सिंधु जल संधि, जो दो युद्धों से बची हुई है, को तत्काल निलंबित कर दिया जाएगा, और दोनों देशों में राजनयिक मिशनों की पहले से ही कम संख्या को आधा कर दिया जाएगा। देश जानता है कि यह केवल पहला कदम है, पाकिस्तान के साथ-साथ दुनिया के लिए चेतावनी है कि भारत इस मामले को लेकर गंभीर है।

जीवन मंत्र

एकांत को वापस लाइए

आजकल लोग लगातार भीड़ में बने रहते हैं। अकेले बैठे हैं, तब भी मोबाइल के जरिये दुनिया से जुड़े हैं। इससे मस्तिष्क थक जाता है, ऊर्जा रिसने लगती है। एकांत को वापस लाइए। जब आप एकांत में होते हैं, यानी बिल्कुल अपने साथ रहते हैं, तब पता चलता है कि अंदर तो खजाना है।

आजकल पर्यावरण बहुत बड़ी समस्या बन गया है। न केवल बाहर का, बल्कि हमारे भीतर का भी पर्यावरण नष्ट हो गया है। इसी का असर बाहरी वातावरण पर हो रहा है। वेदों में झांकें, तो हमारे पूर्वज प्रकृति के साथ इतने घुले-मिले थे कि हर नैसर्गिक तत्व को उन्होंने देवता बना दिया था। पानी, अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी, सब कुछ एक वरदान था। लोगों के मन में प्रकृति के प्रति श्रद्धा और विस्मय का भाव था। मगर टेक्नोलॉजी आई और सब गड़बड़ हो गया। अब हमें पर्यावरण के पीछे का विज्ञान समझ में आ गया, तो उसके प्रति आदर भी खो गया। यह बात तो तय है कि आज का मनुष्य जिस तरह का धन-लोभी और हिंसक बन गया है, वह पर्यावरण का संरक्षण नहीं कर सकता। अथर्ववेद में बताया गया है कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए कौन से गुण आवश्यक हैं: 'जो मनुष्य सत्य, मृदुता, संकल्प, तप, ज्ञान तथा त्याग के गुणों से युक्त है, वही पृथ्वी का संरक्षण कर सकता है।' लेकिन इस कसौटी पर आज कौन खरा उतर सकता है? आधुनिक मनुष्य को संवेदनशील

बनाने के लिए ओशो ने दो उपाय बताए हैं- एकांत का वरण और प्रकृति का सत्संग। क्या संबंध है दोनों का? आजकल लोग लगातार भीड़ में बने रहते हैं। अकेले बैठे हैं, तब भी मोबाइल के जरिये दुनिया से जुड़े हैं। इससे मस्तिष्क थक जाता है, ऊर्जा रिसने लगती है। एकांत को वापस लाइए। जब आप एकांत में होते हैं, यानी बिल्कुल अपने साथ रहते हैं, तब पता चलता है कि अंदर तो खजाना है। हमने कभी अपनी सुध ली ही नहीं।

अकेले में मन अपने आप शांत होने लगेगा। आप रिलैक्स होंगे। ऐसा शांत और शिथिल मन ही प्रकृति से मित्रता कर पाएगा। दूसरी बात, प्रकृति के पास जब जाना हो, तो अकेले जाएं, यार-दोस्तों के साथ पिकनिक न मनाएं। किसी फूल के पास ऐसे बैठें, जैसे प्रेमी या प्रेमिका के पास बैठे हैं, अगर आपके मन से सारे विचार चले जाएं और बाहर सिर्फ फूल रह जाए, तो थोड़ी देर में पाएंगे कि फूल जैसी कोई सुंदर चीज आपके भीतर भी खिल गई है। झील के किनारे घड़ी भर बैठे रह जाएं, तो थोड़ी देर बाद आपको पता चलेगा कि भीतर भी झील जैसी किसी शांत चीज ने जन्म ले लिया है।हम जो लगातार देखते हैं, वैसे ही हो जाते हैं। अगर हम पूरे प्राणों से किसी चीज के साथ आत्मीय हो जाएं, तो हमारे भीतर भी वैसी ही घटना घटनी शुरू हो जाती है।

शख्सियत | कृष्ण चंद्र गजपति

भारतीय राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी

कृष्ण चंद्र गजपति ओडिशा के एक प्रमुख भारतीय राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी थे। रेवेनशॉ कॉलेज और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले गजपति सामाजिक सुधार और राजनीतिक मुक्ति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता वाले एक दूरदर्शी नेता के रूप में उभरे।

कृष्ण चंद्र का जन्म 26 अप्रैल 1892 को परलाखेमुंडी के जमींदार गौरा चंद्र गजपति और उनकी पत्नी राधा मनी देवी के घर हुआ था। गजपति की राजनीतिक यात्रा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान शुरू हुई। उन्होंने 1920 में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और राष्ट्रवादी गतिविधियों में शामिल होने के कारण उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में, उन्होंने ओडिशा के लोगों के अधिकारों की वकालत की और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया। गजपति का एक महत्वपूर्ण योगदान शिक्षा के क्षेत्र में था। उन्होंने कटक में उत्कल विश्वविद्यालय सहित ओडिशा में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों का उद्देश्य साक्षरता फैलाना और युवाओं को सशक्त बनाना, क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास की नींव रखना था। राजनीति और शिक्षा से परे, गजपति सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भी गहराई से प्रतिबद्ध थे। वह उड़िया साहित्य, कला और संगीत के संरक्षक थे, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दिया।

1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद, गजपति ने विभिन्न पदों पर काम करना जारी रखा। उन्होंने 1934 से 1936 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री और बाद में 1952 से 1956 तक ओडिशा के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। उनके नेतृत्व की विशेषता सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण और लोगों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता थी। कृष्ण चंद्र गजपति की विरासत भारतीयों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति उनका अटूट समर्पण राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। 25 मई, 1974 को उनका निधन हो गया और वे अपने पीछे सेवा और नेतृत्व की एक विरासत छोड़ गये जो आज तक कायम है।

जीवन ऊर्जा

रामानुजन : निधन-26 अप्रैल 1920 | देहावसान

गणित की आजादी में ही इसका सार है

रामानुजन का जन्म 22 दिसम्बर 1887 को भारत के दक्षिणी भूभाग में स्थित कोयम्बटूर के ईरोड नामके गांव में हुआ था। बालक रामानुजन की सिर्फ गणित के विषय में रुचि अधिक थी। श्रीनिवास रामानुजन् इयंगर एक महान भारतीय गणितज्ञ थे। इन्हें आधुनिक काल के महानतम् गणित विचारकों में गिना जाता है। ये बचपन से ही विलक्षण प्रतिभावान थे। 26 अप्रैल 1920 के प्रातः काल में वे अचेत हो गए और दोपहर होते होते उन्होने प्राण त्याग दिए।

मेरे लिए एक समीकरण का कोई मतलब नहीं है जब तक की यह भगवान के बारे में कोई विचार प्रकट नहीं करता। गणित के बिना आप कुछ भी नहीं कर सकते आपके आस पास सबकुछ गणित है। आपके आसपास सब कुछ नंबर है। गणित संख्याओं, समीकरणों, एल्गोरिथ्म की गणना के बारे में नहीं है यह समझ के बारे में है।

मेरी गणित में दिलचस्पी केवल एक रचनात्मक कला के रूप में है। बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ है ? इस कारागार जगत में कोई भी बस्तु हैं वह गणित के बिना नहीं है, उसको गणित के बिना समझा नहीं जा सकता। गणित के मानकों से भी पांडुलिपि अव्यवस्थित दिखती है। मैंने हमेशा

गणित का आनंद लिया है यह किसी भी बिचार को व्यक्त करने का सबसे सटीक और संछिप्त तरीका है। अपने दिमाग को सुरक्षित रखने के लिए मुझे भोजन चाहिए और अब यह मेरा पहला विचार है। आप का कोई भी सहानुभूतिपूर्ण पत्र यहां छात्रवृत्ति प्राप्त करने में मेरे लिए सहायक होगा। जैसे मोरो में सीखा और नागो मणि मणि का स्थान सबसे ऊपर है वैसे ही बेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। ज्यामिति की रेखाओं और चित्रों में, हम उन अक्षरों को सीखते हैं, जिनसे दुनिया की यह महान पुस्तक लिखी गई है। अगर मैं फिर से पढाई शुरू कर रहा था तो मैं पलेटो का सलाह का पालन करूँगा और गणित से शुरू करूंगा। एक समीकरण मेरे लिए तब तक कोई मायने नहीं रखता जब तक कि वह ईश्वर के विचार को व्यक्त न करें। मैं एक पारंपरिक विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम से आगे नहीं बढ़ा हूं, लेकिन मैं अपने लिए एक नया रास्ता खोज रहा हूं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हनुमानजी का अद्भुत पराक्रम

जब रावण ने देखा कि हमारी पराजय निश्चित है तो उसने 1000 अमर राक्षसों को बुलाकर रणभूमि में भेजने का आदेश दिया। ये ऐसे थे जिनको काल भी नहीं खा सका था। विभीषण के गुप्तचरों से समाचार मिलने पर श्री राम को चिन्ता हुई कि हम लोग इनसे कब तक लड़ेंगे? सीता का उद्धार और विभीषण का राज तिलक कैसे होगा? क्योंकि युद्ध की समाप्ति असंभव है।

श्रीराम की इस स्थिति से वानर वाहिनी के साथ कपिराज सुग्रीव भी विचलित हो गए कि अब क्या होगा? हम अनंत काल तक युद्ध तो कर सकते हैं पर विजयश्री का वरण नहीं! पूर्वोक्त दोनों कार्य असंभव हैं। अंजनानंदन हनुमान जी आकर वानर वाहिनी के साथ श्रीराम को चिंतित देखकर बोले, 'प्रभु! क्या बात है?'

श्रीराम के संकेत से विभीषण जी ने सारी बात बतलाई। अब विजय असंभव है। पवन पुत्र ने कहा, 'असम्भव को संभव और संभव को असम्भव कर देने का नाम ही तो हनुमान है। प्रभु! आप केवल मुझे आज्ञा दीजिए मैं अकेले ही जाकर रावण की अमर सेना को नष्ट कर दूँगा।' 'परन्तु कैसे हनुमान? वे तो अमर हैं',

श्रीरामजी ने कहा। 'प्रभु! इसकी चिंता आप न करें, बस सेवक पर विश्वास करें', हनुमान बोले। उधर रावण ने चलते समय राक्षसों से कहा था कि वहाँ हनुमान नाम का एक वानर है उससे जरा सावधान रहना। हनुमानजी को रणभूमि में देखकर राक्षसों ने पूछा, 'तुम कौन हो? क्या हम लोगों को देखकर भय नहीं लगता जो अकेले रणभूमि में चले आये।' मारुति बोले, 'क्यों आते समय राक्षसराज रावण ने तुम लोगों को कुछ संकेत नहीं किया था जो मेरे समक्ष निर्भय खड़े हो।' निशाचरों को समझते देर न लगी कि ये महाबली हनुमान हैं। फिर भी वे सोचे, 'तो भी क्या? हम अमर हैं, हमारा ये क्या बिगाड़ लेंगे।' भयंकर युद्ध आरम्भ हुआ। पवनपुत्र की मार से राक्षस रणभूमि में ढेर होने लगे। चौथाई सेना बची थी कि पीछे से आवाज आई, 'हनुमान हम लोग अमर हैं हमें जीतना असंभव है। अतः अपने स्वामी के साथ लंका से लौट जाओ, इसी में तुम सबका कल्याण है।' आंजनेय ने कहा, 'लौटूँगा अवश्य पर तुम्हारे कहने से नहीं, अपितु अपनी इच्छा से। हाँ तुम सब मिलकर आक्रमण करो फिर मेरा बल देखो और रावण को जाकर बताना।' राक्षसों ने जैसे ही एक साथ मिलकर हनुमानजी पर आक्रमण करना चाहा, वैसे ही पवनपुत्र ने उन सबको अपनी पूँछ में लपेटकर ऊपर आकाश में फेंक दिया। वे सब पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति जहाँ तक है वहाँ से भी ऊपर चले गए, चले ही जा रहे हैं।

'चले मग जात सूखि गए गात', उनका शरीर सूख गया अमर होने के कारण मर सकते नहीं। अतः रावण को गाली देते हुए और कष्ट के कारण अपनी अमरता को कोसते हुए अभी भी जा रहे हैं। इधर हनुमान जी ने आकर प्रभु के चरणों में शीश झुकाया। श्रीराम बोले, 'क्या हुआ हनुमान?' 'प्रभु! उन्हें ऊपर भेजकर आ रहा हूँ।' राघव,' पर वे अमर थे हनुमान।'

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

भारत, पहलगाम में आतंक की घटना को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को छोड़ेगा नहीं। हम ढूढ़ेंगे, पकड़ंगे और सजा देंगे। इस घटना को अंजाम देने वाले धरती के आखिरी छोर तक भी नहीं बचेंगे।

-नरेंद्र मोदी, पीएम, भारत सरकार

राहुल गांधी को फ्रीडम फाइटर्स पर गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देने चाहिए। आप स्वतंत्रता के आंदोलनकारियों के बारे में ऐसे बात नहीं कर सकते, जब आपको देश के इतिहास और भूगोल के बारे में कोई जानकारी न हो।

-जस्टिस दीपांकर दत्ता, न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट

हम दहशतगर्दों की इस हरकत की निंदा करते हैं. हम इन दहशतगर्दों को कभी दीन-ए-इस्लाम का सहारा लेकर लोगों के कत्ल करने की इजाजत नहीं दे सकते. हम कभी भी इस बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते कि बाहर की ताकतें आकर हमारे देशवासियों की जान लें। **-असदुद्दीन ओवैसी**

वे (बिहार के लोग) राज्य के बाहर खुद को बिहारी बताते हैं, लेकिन जब वे अपने राज्य में आते हैं तो खुद को जाति, धर्म और समुदाय से जोड़ने लगते हैं. बिहार में सच्चा बिहारी मिलना मुश्किल है।

-आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, बिहार

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

मई में वाहनों के लिए पूरी तरह खुलेगा समृद्धि महामार्ग

सिर्फ 25 घंटे में होगा मुंबई से गोरखपुर का सफर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर भारत की ओर सड़क मार्ग से जाने वालों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग का अंतिम चरण भी अब वाहनों के लिए खोलने की तैयारी पूरी हो गई है। जानकारी के मुताबिक, 1 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महामार्ग के इगतपुरी-मुंबई सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही यह 701 किमी लंबा एक्सप्रेस वे पूरी तरह से चालू हो जाएगा। इस महामार्ग के पूरा खुलने से मुंबई से गोरखपुर की सड़क यात्रा करीब 5 घंटे कम होकर सिर्फ 25 घंटे में पूरी की जा सकेगी। अभी तक यह सफर लगभग 30 घंटे में तय होता है।

तीन चरणों में हुआ निर्माण, अब अंतिम चरण भी तैयार

पहला चरण : 11 दिसंबर 2022 – नागपुर से शिरडी (520 किमी)
दूसरा चरण : 26 मई 2022 – शिरडी से भैरवीर (80 किमी)
तीसरा चरण : दिसंबर 2024 – भैरवीर से इगतपुरी (25 किमी)
अंतिम चरण : इगतपुरी से मुंबई (76 किमी) – मई 2025 में होगा शुरू

मुंबई से नागपुर का सफर समृद्धि महामार्ग से बेहद आसान और तेज हो गया है। 11 मई 2025 को सफर कर चुके धर्मेंद्र यादव ने बताया कि उन्होंने महज 6 घंटे में मुंबई से नागपुर का सफर तय किया। इसके बाद रुकते-रुकते वे 22-23 घंटे में गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने बताया कि महामार्ग पर हर 100 किमी पर पेट्रोल पंप और खानपान की सुविधाएं मौजूद हैं, हालांकि सीएनजी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

यह एक्सप्रेस वे उत्तर भारत जाने वालों के लिए तेज और सीधा मार्ग प्रदान करेगा, जो खासकर गर्मी की छुट्टियों या त्योहारों पर रेल टिकट न मिलने की स्थिति में बेहद उपयोगी साबित होगा। टैक्सी चालक संदीप मौर्य के अनुसार, पिछली गर्मियों में ट्रेन टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें परिवार संग सड़क मार्ग से लंबा और थकाऊ सफर करना पड़ा था, जिसमें मुंबई से अयोध्या पहुंचने में 33 घंटे लगे।

मुंबई से नागपुर का सफर सिर्फ 6 घंटे में

सीटीईटी पास शिक्षकों की बहाली का आदेश

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोलापुर जिला परिषद को 2 मई से पहले बहाल करने के निर्देश दिए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोलापुर जिला परिषद को आदेश दिया है कि वह टीईटी घोटाले के आरोप में सेवा से हटाए गए तीन सहायक शिक्षकों को 2 मई से पहले बहाल करे और उनके बकाया वेतन का भुगतान 60 दिनों के भीतर करे। कोर्ट ने कहा कि इन शिक्षकों की नियुक्ति सीटीईटी योग्यता के आधार पर हुई थी, न कि विवादित टीईटी परिणाम पर।

14 अक्टूबर 2023 को हटाया गया था पद से

तीनों शिक्षकों को अक्टूबर 2023 में सेवा से हटा दिया गया था, क्योंकि उनका नाम उन 7500 अभ्यर्थियों की सूची में था जिनका टीईटी परिणाम रद्द कर दिया गया था। लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चूंकि इनकी नियुक्ति सीटीईटी के आधार पर हुई थी, इसलिए सेवा समाप्ति का आदेश गलत है।

सीटीईटी आधारित नियुक्ति को माना वैध

न्यायमूर्ति रविन्द्र घुगे और न्यायमूर्ति अश्विन भोबे की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता शिक्षकों को सीटीईटी उत्तीर्ण करने के आधार पर नियुक्त किया गया था, इसलिए टीईटी घोटाले की सूची में नाम आने के बावजूद उनकी सेवा समाप्ति न्यायसंगत नहीं है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. उदय वरुंजिकर और अधिवक्ता सुमित काटे की दलीलों को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया।

घोटाले में दोषी पाए जाने पर पुन: समीक्षा संभव

हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में जांच में याचिकाकर्ता टीईटी घोटाले से लाभान्वित पाए जाते हैं, तो जिला परिषद उनकी नियुक्तियों की समीक्षा कर सकती है।

फैसला शिक्षकों के लिए बड़ी राहत

यह फैसला उन हजारों शिक्षकों के लिए राहत भरा है जिनकी नियुक्तियां वैकल्पिक योग्यताओं के आधार पर हुई थीं, लेकिन नाम टीईटी घोटाले की सूची में आ गया था।

न्यूज़ ब्रीफ

विधायक केलकर की जनसंवाद को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

ठाणे। विधायक संजय केलकर की जन संवाद पहल को ठाणे क्षेत्र के नागरिकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। शुक्रवार को खोपट स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित जन संवाद में सैकड़ों नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे, जिनमें से इस बार कुल 80 शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतों में मनपा से संबंधित विभिन्न मुद्दों, जैसे अवैध मसाला मार्केट, अतिक्रमण, अनाधिकृत निर्माण, नौकरी दिलाने, अस्पताल से संबंधित समस्याएं, बकाया वेतन और आवास के मुद्दे प्रमुख रहे। इसके अलावा, नागरिकों ने नाली और व्यवसाय के लिए स्थान उपलब्ध कराने जैसी समस्याएं भी उठाई। इस अवसर पर परिवहन सदस्य विकास पाटिल, पूर्व नगरसेवक नारायण पवार, भरत चव्हाण, सुनेश जोशी, ओंकार चव्हाण, दीपक जाधव, महेश कदम, और नीलेश कोली भी उपस्थित थे।

ब्रह्माला तालाब पर जागरूकता अभियान

ठाणे। ठाणे मनपा ने 22 अप्रैल से 1 मई तक वसुंधरा सप्ताह के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्माला तालाब पर एक जागरूकता अभियान चलाया।इस अभियान के दौरान तालाब में तैरते हुए वेटलैंड स्थापित किए गए, जो जलजीवों और पौधों की सुरक्षा में मदद करेंगे। यह पहल ठाणे मनपा और कोलगेट कंपनी के सीएसआर फंड के सहयोग से कार्यान्वित की गई थी। अभियान को भागीरथ और गुडेरा संगठनों से भी समर्थन प्राप्त हुआ। इस पहल की दिशा में पर्यावरण विभाग की प्रमुख मनीषा प्रधान, ओम परालकर और प्रभाकर सोनावाले ने मार्गदर्शन किया। स्वयंसेवकों की मदद से वेटलैंड को तालाब में छोड़ा गया। इस मौके पर पूर्व नगरसेवक कृष्णा पाटिल भी उपस्थित थे। यह अभियान वसुंधरा सप्ताह के तहत पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बांद्रा टर्मिनस-उधना इंटरसिटी एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन

मुंबई। उधना और सूरत रेलवे स्टेशनों पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य के कारण ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस- (सूरत) उधना इंटरसिटी एक्सप्रेस के समय को अस्थायी आधार पर परिवर्तित किया जा रहा है। इस ट्रेन का परिवर्तित समय 28 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा।

भांडुप सर्कल के नए मुख्य अभियंता बने चंद्रमणि मिश्रा

सुनील काकड़े का पुणे तबादला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महावितरण के भांडुप शहरी सर्कल में नए मुख्य अभियंता के रूप में चंद्रमणि मिश्रा ने कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले इस पद पर कार्यरत सुनील काकड़े को पुणे सर्कल में स्थानांतरित किया गया है। काकड़े ने बिजली बिल वसूली, लीकेज नियंत्रण और बिजली चोरी रोकथाम में उल्लेखनीय कार्य किए थे।

चंद्रमणि मिश्रा का समृद्ध तकनीकी और प्रशासनिक अनुभव

मुंबई निवासी चंद्रमणि मिश्रा ने एनआईटी जयपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है। जुलाई 2003 में उन्होंने अलीबाग में जूनियर इंजीनियर के रूप में महाराष्ट्र राज्य विद्युत बोर्ड में अपनी सेवा की शुरुआत की थी। वर्ष 2009 में कार्यकारी अभियंता के रूप में सीधी भर्ती से चयनित होने के बाद उन्होंने वाशी, औरंगाबाद तथा मुख्यालय में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं। बाद में विशेष परियोजना विभाग में अधीक्षण अभियंता के रूप में पदोन्नत होकर उन्होंने मुख्यमंत्री सौर कृषि पंप योजना के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की—जहां उनके नेतृत्व में एक लाख सौर कृषि पंप राज्य में चालू किए गए।

पुरस्कारों से सम्मानित, नवाचारों के समर्थक

मिश्रा के नेतृत्व में महावितरण ने सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में अग्रणी भूमिका निभाई। इन उपलब्धियों के लिए संस्था को कई राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए। जून 2024 में उन्हें कल्याण सर्कल के मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया था, जहां उन्होंने बिजली रिसाव में कमी और बेहतर ग्राहक सेवा को प्राथमिकता देते हुए राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की।

भांडुप में सेवा की निरंतरता और गुणवत्ता का वादा

भांडुप सर्कल का कार्यभार संभालते हुए चंद्रमणि मिश्रा ने कहा, "महावितरण की योजनाओं को ग्राहकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना और उत्कृष्ट, निर्बाध सेवा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी। राजस्व वृद्धि और ग्राहक संतुष्टि के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।"

'महाराष्ट्र फ्यूचर टेक समिट 2025' में डॉ. कैलाश शिंदे की प्रस्तुति ने बटोरी सराहना

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

मुंबई में आयोजित 'महाराष्ट्र फ्यूचर टेक समिट 2025' में नवी मुंबई नगर निगम के आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने 'नगर निगम संचालन में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग' विषय पर अपनी प्रस्तुति देकर उपस्थितों को प्रभावित किया। यह राज्य सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इकोनॉमिक टाइम्स मीडिया समूह के सहयोग से आयोजित एक प्रमुख तकनीकी सम्मेलन था।

प्रौद्योगिकी से बदला नगर सेवाओं का चेहरा

डॉ. शिंदे ने बताया कि अत्याधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग से नवी मुंबई नगर निगम के कामकाज में गति, पारदर्शिता और नागरिक संतुष्टि में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नागरिकों को सेवाएं अब तेज़ी से प्राप्त हो रही हैं और प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा एआई (AI), आईओटी (IoT), ब्लॉकचेन, LiDAR, और SCADA जैसी तकनीकों का प्रभावशाली प्रयोग किया जा रहा है।

कचरा प्रबंधन में तकनीक का स्मार्ट इस्तेमाल

डॉ. शिंदे ने बताया कि स्वच्छता में अग्रणी नवी मुंबई नगर निगम अब एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) के माध्यम से कचरा संग्रहण की निगरानी कर रहा है। कचरा संग्रहण वाहनों को रियल टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। जियो टैगिंग और बारकोडिंग की मदद से कचरे के स्रोत और संग्रहण प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रखी जाती है।

केडीएमसी आयुक्त की अध्यक्षता में मानसून पूर्व समीक्षा बैठक संपन्न

नालों की शीघ्र सफाई और जलजमाव रोकने हेतु विशेष टीम गठित करने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) क्षेत्र में आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय में मानसून पूर्व समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ गहन मंथन किया गया।

नालों की सफाई को प्राथमिकता

आयुक्त गोयल ने कहा कि मानसून से पहले नालों की सफाई कार्य को शीघ्रता से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। विशेष रूप से बड़े और मध्यम नालों के अलावा छोटे गटर और GVP स्थलों की भी नियमित और दैनिक सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिया।

जलजमाव से निपटने के लिए विशेष टीमें गठित होंगी

शहर के उन क्षेत्रों की पहचान की जा रही है जहां अक्सर बरसात में पानी भर जाता है। इन क्षेत्रों के लिए प्रभाग-स्तर पर विशेष टीमें गठित करने के निर्देश आयुक्त ने दिए हैं, जो आपात स्थितियों में तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। इससे नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

तत्काल क्रियान्वयन के आदेश

आयुक्त ने महापालिका के सभी संबंधित विभागों को निर्देशों का तत्काल पालन करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मानसून पूर्व तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बांद्रा टर्मिनस और भावनगर टर्मिनस के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा आखातीज त्योहार के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और भावनगर टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 09013 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:00 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09014 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 को भावनगर टर्मिनस से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यहां रुकेगी स्पेशल ट्रेन

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद जं., धोला जं., सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर और एसी चेयर कार कोच होंगे।

11 जिला परिषद स्कूल 'बेहद खतरनाक' घोषित

बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा
अब तक 90 स्कूलों की जांच रिपोर्ट सामने आई, बाकी की प्रतीक्षा जारी

वसई। वसई-विरार शहर महानगरपालिका के अंतर्गत आने वाले जिला परिषद के स्कूलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। हाल ही में 116 स्कूलों में से 90 स्कूलों की स्क्रूटनी रिपोर्ट सामने आई है, जिनमें से 11 स्कूलों को 'बेहद खतरनाक' घोषित किया गया है। इन स्कूलों को फिलहाल उपयोग के लिए अनुपयुक्त बताया गया है। महानगरपालिका शिक्षा अधिकारी डॉ. सुबाहब इलेक्ट्रोड के मुताबिक, इन स्कूलों की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन स्कूलों में दीवारें गिरने की कगार पर हैं, प्लास्टर झड़ रहा है, छतों से पानी टपक रहा है और फर्नीचर पूरी तरह टूट चुका है।

स्कूलों के संरक्षण का प्रयास जारी

महानगरपालिका ने शिक्षा विभाग को समय-समय पर इन स्कूलों की मरम्मत व जीर्णोद्धार के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में 76 स्कूलों को मध्यम स्तर पर खराब (C2 श्रेणी) और 3 स्कूलों को मामूली मरम्मत की जरूरत वाले (C3 श्रेणी) में रखा गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महानगरपालिका की स्थापना के बाद भी अब तक वसई-विरार क्षेत्र में एक भी नया स्कूल नहीं बनाया गया है।

जर्जर हालत वाले स्कूलों की सूची:
धानीव (नालासोपारा)
पेल्हार हाईवे
विरार-पूर्व
चंदनसार
कसाराली
तल्याचा पाड़ा
कामन उर्दू
मनवेलपाड़ा, विरार
शेख गांव
नेहरू हिंदी स्कूल, विरार-पश्चिम
पतिचा पाड़ा, सोपारा उर्दू स्कूल

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

वृषभ दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

कन्या संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं।

कुंभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

भैरव की उत्पत्ति और कपालमोचन तीर्थ की कथा: जब शिव ने ब्रह्मा का अभिमान भंग किया

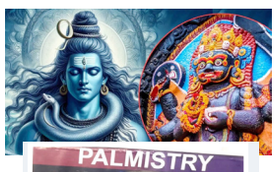

प्रियंका जैन
9769994439

यजुर्वेद- जिसके द्वारा हम वेद भी प्रमाणित होते हैं तथा जो ईश्वर के संपूर्ण यज्ञों तथा योगों से भजन किया जाता है, सबका दृष्टा वह एक शिव ही हैं।

सामवेद- जो समस्त संसारी जनों को भरमाता है, जिसे योगी जन ढूँढ़ते हैं और जिसकी भांति से सारा संसार प्रकाशित होता है, वे एक त्र्यम्बक शिवजी ही हैं। अथर्ववेद- जिसकी भक्ति से साक्षात्कार होता है और जो सब या सुख - दुःख अतीत अनादी ब्रम्ह हैं, वे केवल एक शंकर जी ही हैं।

विष्णु ने वेदों के इस कथन को प्रताप बताते हुए नित्य शिवा से रमण करने वाले, दिगंबर पीतवर्ण धूलि धूसरित प्रेम नाथ, कुवेटा धारी, सर्वा वेष्टित, वृपन वाही, निःसंग,शिवजी को पर ब्रम्ह मानने से इनकार कर दिया। ब्रम्हा-विष्णु विवाद को सुनकर ओंकार ने शिवजी की ज्योति, नित्य और सनातन परब्रम्ह बताया परन्तु फिर भी शिव माया से मोहित ब्रम्हा विष्णु की बुद्धि नहीं बदली। उस समय उन दोनों के मध्य आदि अंत रहित एक ऐसी विशाल ज्योति प्रकट हुई की उससे ब्रम्हा का पंचम सिर जलने लगा। इतने में त्रिशूलधारी नील-लोहित शिव वहां प्रकट हुए तो अज्ञानतावश ब्रम्हा उन्हें अपना पुत्र समझकर अपनी शरण में आने को कहने लगे।

ब्रम्हा की संपूर्ण बातें सुनकर शिवजी अत्यंत क्रुद्ध हुए और उन्होंने तत्काल भैरव को प्रकट कर उससे ब्रम्हा पर शासन करने का आदेश दिया। आज्ञा का पालन करते हुए भैरव ने अपनी बायीं ऊँगली के नखाग्र से ब्रम्हाजी का पंचम सिर काट डाला। भयभीत ब्रम्हा शत रुद्री का पाठ करते हुए शिवजी के शरण हुए।ब्रम्हा और विष्णु दोनों को सत्य की प्रतीति हो गयी और वे दोनों शिवजी की महिमा का गान करने लगे। यह देखकर शिवजी शांत हुए और उन दोनों को अभयदान दिया।

इसके उपरान्त शिवजी ने उसके भीषण होने के कारण भैरव और काल को भी भयभीत करने वाला होने के कारण काल भैरव तथा भक्तों के पापों को तत्काल नष्ट करने वाला होने के कारण पाप भक्षक नाम देकर उसे काशीपुरी का अधिपति बना दिया।

फिर कहा की भैरव तुम इन ब्रम्हा विष्णु को मानते हुए ब्रम्हा के कपाल को धारण करके इसी के आश्रय से भिक्षा वृति करते हुए वाराणसी में चले जाओ। वहां उस नगरी के प्रभाव से तुम ब्रम्ह हत्या के पाप से मुक्त हो जाओगे।

शिवजी की आज्ञा से भैरव जी हाथ में कपाल लेकर ज्योंही काशी की ओर चले, ब्रम्ह हत्या उनके पीछे पीछे हो चली। विष्णु जी ने उनकी स्तुति करते हुए उनसे अपने को उनकी माया से मोहित न होने का वरदान माँगा। विष्णु जी ने ब्रम्ह हत्या के भैरव जी के पीछा करने की माया पूछना चाही तो ब्रम्ह हत्या ने बताया की वह तो अपने आप को पवित्र और मुक्त होने के लिए भैरव का अनुसरण कर रही है।

भैरव जी ज्यों ही काशी पहुंचे त्यों ही उनके हाथ से चिमटा और कपाल छूटकर पृथ्वी पर गिर गया और तब से उस स्थान का नाम कपालमोचन तीर्थ पड़ गया। इस तीर्थ मैं जाकर सविधि पिंडदान और देव-पितृ-तर्पण करने से मनुष्य ब्रम्ह हत्या के पाप से निवृत हो जाता है।

।। हर हर महादेव ।।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

न्यूज़ ब्रीफ

विधानभवन के बाहर आत्मदाह की कोशिश करते युवक को पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ। लखनऊ स्थित विधानभवन के बाहर शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक हाथ में ज्वलनीशल पदार्थ लेकर आत्मदाह का प्रयास करते हुए देखा गया। गनीमत रही कि पुलिसकर्मियों ने उसे समय रहते पकड़ लिया। इस दौरान वहां कुछ देर के लिए चहलकदमी तेज हो गई। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह रोहित नाम के युवक से परेशान होकर इस तरह का कदम उठाने जा रहा था। आत्मदाह का प्रयास करने वाले युवक ने बताया कि उसकी पत्नी के कुछ अश्लील वीडियो आरोपी के पास हैं। जिसके कारण वह परेशान है। उसने बताया कि इस मामले को उसने पुलिस तक भी पहुंचाया लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई, वहीं अब इस प्रकरण के चलते उसे मुहल्ले के ताने भी झेलने पड़ रहे हैं। निराशा में वह यह कदम उठाने जा रहा था।

आरपीएफ ने ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे यात्री को बचाया

कटिहार। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के पूर्णिया जंक्शन पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। जब आरपीएफ के हेड कांस्टेबल नबी रसूल ने एक यात्री की जान बचाई। यात्री ट्रेन संख्या 75261 पूर्णिया सहरसा डेमू ट्रेन के प्लेटफार्म संख्या एक से प्रस्थान के समय अचानक फिसलकर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच खतरनाक तरीके से फंस गया था। हेड कांस्टेबल नबी रसूल ने अपनी कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण का प्रदर्शन करते हुए त्वरित और साहसिक कार्रवाई की और यात्री को सफलतापूर्वक बचाया। इस घटना को स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में कैद किया गया है, जिसमें कर्मचारियों की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई को उजागर किया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कांग्रेस का कैंडल मार्च, श्रद्धांजलि अर्पित

शिमला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शिमला में कैंडल मार्च निकाला और इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। यह मार्च प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। कैंडल मार्च शिमला के नाज, शेरे पंजाब से प्रारंभ होकर माल रोड से होता हुआ रिज मैदान पहुंचा, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस नेताओं ने मोमबत्तियां जलाकर हमले में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं।

बरामद दो शवों की हुई पहचान

हजारीबाग। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के जमनीजारा स्थित कोनार डैम के जंगल से शुक्रवार की अहले सुबह एक महिला और एक पुरुष का शव विष्णुगढ़ पुलिस ने बरामद की थी। शव की पहचान बोकारो निवासी विजय कुमार महतो और तिलैया देवी के रूप में की गई है। सूत्रों के मुताबिक मामला प्रेम-प्रसंग का बताया जा रहा है। तिलैया देवी विष्णुगढ़ के कुसुंभा की रहने वाली थी, जिसकी शादी जरीडीह में हुई थी और वह दो बच्चों की मां भी थी। मृतक विजय कुमार महतो रिश्ते में मृतिका का देवर लगता था। इस बाबत विष्णुगढ़ थाना प्रभारी सपन कुमार महथा ने जानकारी देते हुए बताया गया कि महिला की मां की ओर से थाने में आवेदन दिया गया है। उक्त आवेदन के आधार पर विष्णुगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया है।

लखनऊ के छात्र यूपी बोर्ड टॉपर लिस्ट से फिर रहे बाहर

लगातार दूसरे साल राजधानी का कोई भी छात्र टॉप 10 में शामिल नहीं

एजेंसी । लखनऊ

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिया गया, लेकिन एक बार फिर लखनऊ के छात्रों को बड़ी निराशा हाथ लगी। लगातार दूसरे साल राजधानी का कोई भी छात्र टॉप 10 की मेरिट सूची में जगह नहीं बना पाया।

शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले

हाईस्कूल : आगरा (94.99%), बस्ती (94.67%), मथुरा (94.60%)
इंटरमीडिएट : अमेठी (92.65%), अमरोहा (90.55%), वाराणसी (89.63%)

हाईस्कूल में 16वां स्थान, इंटरमीडिएट में 48वां

इस बार हाईस्कूल में लखनऊ का पास प्रतिशत 92.78% रहा, जिससे वह 16वें स्थान पर रहा। जबकि पिछले साल यह 89.94% के साथ 31वें स्थान पर था। इंटरमीडिएट में पास प्रतिशत गिरकर 81.17% रह गया और लखनऊ 48वें स्थान पर खिसक गया। पिछले साल यह तीसरे स्थान पर था।

मंत्री और अधिकारियों का बयान

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से आयोजित की गई। यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने लखनऊ के प्रदर्शन पर कहा, शायद छोटे जिलों के छात्रों ने अधिक मेहनत की है। अगले साल लखनऊ के छात्र भी बेहतर करेंगे।

पिछले साल भी टॉप लिस्ट से बाहर रहे थे राजधानी के छात्र

इस साल हाईस्कूल की टॉप 10 मेरिट सूची में 55 छात्र-छात्राएं शामिल हुए, वहीं इंटरमीडिएट में 30 छात्रों ने जगह बनाई। लेकिन दोनों ही सूचियों में लखनऊ से एक भी छात्र शामिल नहीं है। 2024 में भी यही स्थिति थी, जब हाईस्कूल के टॉप 10 में 159 छात्र थे, पर लखनऊ पूरी तरह से गायब रहा।

छोटे जिलों के छात्रों का दबदबा

हाईस्कूल में जालौन के यश प्रताप सिंह ने 97.83% अंकों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। इटावा की अंशी और बाराबंकी के अभिषेक यादव ने 97.67% अंकों के साथ दूसरा स्थान साझा किया। प्रयागराज की महक जायसवाल ने इंटरमीडिएट में 97.20% अंकों के साथ टॉप किया।

झारखंड में शिक्षकों की बढ़ेगी टेंशन

हेमंत सरकार ने लागू किया नया नियम

रांची। शिक्षकों द्वारा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर लगातार तीन दिन देर से उपस्थिति बनाने पर इसे एक आकस्मिक अवकाश के रूप में गिना जाएगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस व्यवस्था को 80 उत्कृष्ट विद्यालयों (सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस) तथा प्रखंड स्तरीय 325 आदर्श विद्यालयों में लागू की है। विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने इन विद्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें यह व्यवस्था लागू किए जाने की बात कही गई है। शिक्षा सचिव ने इन विद्यालयों में सीबीएसई तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मानक के अनुरूप बच्चों की 75 प्रतिशत उपस्थिति भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इसे लेकर उन्होंने प्रत्येक माह 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान कर प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थिति बढ़ाने को लेकर बच्चों के अभिभावकों को पत्र लिखे जाने के निर्देश दिए हैं। सचिव ने पहले एवं दूसरे शनिवार को क्विज, पेंटिंग, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि अतिरिक्त गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं।

उत्कृष्ट एवं आदर्श विद्यालयों में आठवीं से 12वीं तक समेटिव असेसमेट-1 परीक्षा सितंबर तथा समेटिव असेसमेंट-2 परीक्षा मार्च माह में लिया जाएगा।

पाटलिपुत्र के रास्ते गुजरेगी सहरसा-लोकमान्य टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस

एजेंसी । पटना/नयागांव

राजधानीवासियों के लिए खुशखबरी है कि सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के राजधानी के पाटलिपुत्र स्टेशन से गुजरेगी। यह ट्रेन सहरसा से चार मई से प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से रवाना होगी। अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को सहरसा से सुबह 04.20 बजे चलेगी, जो 07.05 बजे समस्तीपुर, 08.35 बजे मुजफ्फरपुर, 09.55 बजे हाजीपुर, 11.15 बजे पाटलिपुत्र, 15.00 बजे डीडीयू होते हुए सोमवार को 15.45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी।

यात्रियों को मिलेगा काफी फायदा

वहीं, यह ट्रेन दो मई यानी प्रत्येक शुक्रवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से ट्रेन चलाई जाएगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अमृत भारत ट्रेन के प्रारंभ होने से यात्रियों को काफी लाभ होगा। बिहार के यात्रियों को देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई से जुड़ने में काफी मदद मिलेगी। अमृत भारत ट्रेन बिहार के मिथिला क्षेत्र से सीधे महाराष्ट्र को जोड़ेगी। यहां से काफी संख्या में यात्री प्रतिमाह मुम्बई जाते हैं। इस तरह की ट्रेन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ट्रेन का शुभारंभ कर बिहारवासियों को एक बड़ी सौगात दी है।

10 पुलिसकर्मी तत्काल प्रभाव से निलंबित

मोबाइल दुकानदार को बेवजह परेशान करने का आरोप

डीजीपी को शिकायत के बाद हुई जांच

एजेंसी । पटना

राजीवनगर के मोबाइल दुकानदार को बेवजह परेशान करने और जबरन पांच मोबाइल रखने के आरोप में अंचल निरीक्षक, राजीवनगर थानाध्यक्ष समेत दस पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने इस सभी आरोपित पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। आवेदक विनोद कुमार सिंह ने इस बाबत डीजीपी विनय कुमार को आवेदन देकर जांच की मांग की थी। पुलिस मुख्यालय के स्तर से कराई गई जांच में आरोप सही पाया गया।

इन पर चला निलंबन का डंडा

अंचल निरीक्षक गौतम कुमार, राजीवनगर थानाध्यक्ष नीरज कुमार, दारोगा शंभूशंकर सिंह, दारोगा श्याम नारायण सिंह, सिपाही अनिल कुमार, सिपाही ब्रजकिशोर प्रसाद, सिपाही हरिश्चंद्र सिंह, सिपाही प्रभाश कुमार पासवान, सिपाही ओमप्रकाश और चालक बालकिशोर यादव।

क्यों हुआ एक्शन?

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, राजीव नगर थाने के द्वारा संदेह के आधार पर एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर थाने की पुलिस ने आवेदक के दुकान पर छापेमारी की और उसके बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान बिना जब्ती सूची बनाए काफी संख्या में मोबाइल फोन दुकान से लिया गया। बाद में राजीवनगर थाने की पुलिस टीम ने पांच कीमती मोबाइल अवैध ढंग से रख लिया गया, जबकि तीन मोबाइल की जब्ती सूची बनाकर शेष मोबाइल दुकानदार को वापस दे दिए गए।

'बदलैन' वाली जमीन को लेकर दूर हुआ कन्फ्यूजन

एजेंसी । पटना

नीतीश कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को कुल 34 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने फैसलों की जानकारी दी। इसमें एक फैसला बिहार के जमीन मालिकों के लिए काफी खास है। अब मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व से क्रियान्वित बदलैन को भी आधार मानने की स्वीकृति दी गई है।

भूमि सर्वेक्षण में मौखिक बदलैन भी आधार

बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (यथा संशोधित) अधिनियम 2011 के तहत राज्य में अवस्थित रैयती एवं अन्य प्रकार की भूमि का नया अधिकार अभिलेख (खतियान) एवं भू मानचित्र तैयार किया जा रहा है। भूखंडों के सर्वेक्षण एवं बंदोबस्ती के क्रम में शत प्रतिशत शुद्धता, पारदर्शिता एवं गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त नियमावली 2012 के तहत खानापूर्ति दल को अन्य तथ्यों के साथ मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व से क्रियान्वित बदलैन को भी आधार मानने की स्वीकृति दी गई है। शर्त यह होगी कि बदलैन की जमीन पर दोनों पक्षों का शांति पूर्ण स्वामित्व व दखल होना चाहिए।

अयोध्या के राम मंदिर के तर्ज पर होगा माता जानकी मंदिर का विकास

सीतामढ़ी में माता जानकी की जन्मभूमि पुनौराधाम को अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। अयोध्या के राममंदिर की तर्ज पर यहां माता जानकी का भव्य मंदिर बनेगा। जो रामायण सर्किट का हिस्सा होगा। मंत्रिमंडल ने पुनौराधाम का विकास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या की तर्ज पर करने का निर्णय लिया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करने वाली एजेंसी मेसर्स डिजाइन एसोसिएट्स इन्कारपोरेट नोएडा ही पुनौराधाम मंदिर और क्षेत्र विकास की डिजाइन और नक्शा तैयार करेगी।

मनरेगा के नाम पर हो रहा खेल

मुखिया के 3 नाबालिग बच्चों का बना जॉब कार्ड, राशि का भी हुआ भुगतान

गुमला। जिले में मनरेगा के क्रियान्वयन में जमकर लूट मचाई जा रही है। मनरेगा कानून की धज्जियां उड़ रही है। घाघरा प्रखंड के सेहल पंचायत के तुंजो सेमरटोली गांव में मनरेगा के क्रियान्वयन में नाबालिग छात्र-छात्राओं का जॉब कार्ड बनाकर अवैध तरीके से भुगतान भी कर दिया गया है। इस प्रकरण में पंचायत की मुखिया सोमारी देवी की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध है। सोमारी देवी ने अपने दो नाबालिग पुत्र और एक पुत्री को भी मजदूर बना दिया है और उन्हें बतौर मजदूर मजदूरी का भुगतान भी अवैध तरीके से कर दिया है। इसके अलावा भी अन्य नाबालिग छात्रों का जॉब कार्ड बनाकर मजदूरी का अवैध तरीके से भुगतान कराया गया है।मामला अप्रैल 2023 का है।

व्यापार जगत

भारत-पाक तनाव से बाजार लगातार दूसरे दिन लुढ़का

सेंसेक्स 589 और निफ्टी 207 अंक टूटा, एक्सिस बैंक में भारी बिकवाली

एजेंसी । मुंबई

भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव और एक्सिस बैंक में बिकवाली के चलते शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 588.90 अंक लुढ़क कर 79,212.53 पर और एनएसई निफ्टी 207.35 अंक गिरकर 24,039.35 पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत में बाजार में तेजी दिखी, लेकिन पाकिस्तान के साथ तनाव की खबरों के बाद निवेशकों की सतर्कता बढ़ गई और बिकवाली का माहौल बना। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 1,195 अंक तक टूटकर 78,605.81 तक पहुंच गया था।

इन शेयरों में रही सबसे ज्यादा गिरावट

सेंसेक्स में शामिल अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, जोमैटो (इटरनल), बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, मारुति, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, टीसीएस, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में कुछ बढ़त रही।

मिडकैप और स्मॉलकैप पर दबाव

जानकारों के अनुसार, ऊंचे मूल्यांकन, सीमा पर तनाव और तिमाही नतीजों की धीमी शुरुआत के कारण मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेज बिकवाली देखने को मिली।

एशियाई बाजारों का मिला-जुला रुख

एशिया के प्रमुख बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ।

फरवरी में ईएसआईसी से जुड़े 15.43 लाख नए कर्मचारी

7.36 लाख युवा और 3.35 लाख महिलाएं शामिल, 74 ट्रांसजेंडर भी जुड़े

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) से फरवरी 2025 में 15.43 लाख नए कर्मचारी जुड़ गए हैं। इनमें 25 वर्ष से कम आयु के 7.36 लाख युवा पहली बार नौकरी में शामिल हुए हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस दौरान 3.35 लाख महिला और 74 ट्रांसजेंडर कर्मचारी भी पंजीकृत हुए हैं।

ईएसआईसी से जुड़ने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या में भी वृद्धि

फरवरी माह में 23,526 नए प्रतिष्ठानों ने ईएसआईसी के तहत पंजीकरण कराया है। मंत्रालय का कहना है कि अधिक से अधिक जिलों को अधिसूचित कर बीमा योजना के दायरे में लाया जा रहा है। वर्तमान में देश के 778 में से 691 जिलों को अधिसूचित किया जा चुका है। खास तौर पर उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा के शेष जिलों को जल्द ही अधिसूचित करने की तैयारी है। अधिसूचना के बाद ही किसी जिले के कर्मचारियों को योजना का लाभ मिल सकता है। ईएसआईसी योजना के तहत कर्मचारियों को न केवल स्वास्थ्य सेवाएं बल्कि दुर्घटना की स्थिति में मृत्यु या दिव्यांगता पर वित्तीय लाभ, परिवारिक पेंशन, और कई सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी मिलता है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 8.31 अरब डॉलर बढ़ा

एजेंसी । मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 8.31 अरब डॉलर बढ़कर 686.14 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि लगातार सातवें सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। इसके पहले 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.57 अरब डॉलर बढ़कर 84.57 अरब डॉलर हो गया।

अपीलीय न्यायाधिकरणों के लिए नियम अधिसूचित

नई दिल्ली। सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमों को अधिसूचित कर दिया है जिसमें आवेदनों की अनिवार्य ई-फाइलिंग और मिलेजुले ढंग से सुनवाई का प्रावधान किया गया है। नियमों में यह भी प्रावधान है कि अगर आवेदक दोपहर 12 बजे से पहले कोई अत्यावश्यक मामला दायर करता है और यदि आवेदन सभी मामलों में पूर्ण है, तो उसे अगले कार्य दिवस को ही अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

चौथी तिमाही में मारुति सुजुकी का मुनाफा 1% घटा

135 रुपए लाभांश देगी कंपनी

एजेंसी । मुंबई

ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 42,431 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 7% ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 39,655 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 3,911 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। यह 2024 के जनवरी-मार्च तिमाही से 1% कम है। पिछले साल कंपनी को 3,952 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

रेवेन्यू 6.37% बढ़कर 40,920 करोड़ रहा

चौथी तिमाही में कंपनी को प्रोडक्ट और सर्विस बेचकर 40,920 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू हासिल हुआ। सालाना आधार पर यह 6.37% बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 38,471 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

ओला इलेक्ट्रिक को केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने दिया शो-कॉज नोटिस

7 दिन के भीतर सर्विस सेंटर और ट्रेड सर्टिफिकेट्स की जानकारी मांगी; 5% गिरा शेयर

बेंगलुरु। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनी ओला एक बार फिर विवादों में है। इस बार ओला को केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने शो-कॉज नोटिस जारी किया है। मंत्रालय ने 7 दिन के भीतर कई अहम सवालों के जवाब मांगे हैं। अगर ओला ने समय पर जवाब नहीं दिया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। नोटिस के बाद ओला का शेयर शुक्रवार को 5.13% की गिरावट के साथ 49.72 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही ओला ने तीन दिन पहले महाराष्ट्र में 121 स्टोर्स पर कार्रवाई के निर्देश पर सफाई दी। ओला ने कहा है कि हमें महाराष्ट्र में शोरूम बंद करने संबंधी कोई नोटिस नहीं मिला है। हमने पहले ही 21 मार्च 2025 को एक्सचेंज को 4 राज्यों के ट्रेड सर्टिफिकेट नोटिस के बारे में जानकारी दे दी थी।

सेल्स-सर्विस सेंटर का ब्योराः ओला को अपने देशभर के सेल्स और सर्विस सेंटर की संख्या, पिछले 3 साल में जारी किए गए ट्रेड सर्टिफिकेट्स की डिटेल और उनकी तारीखें बतानी होंगी।

कोलकाता के लिए श्रेयस सबसे बड़ा खतरा

- पंजाब और नाइट राइडर्स में ईडन गार्डंस में होगी रोमांचक टक्कर
- केकेआर को पिछले सत्र में खिताब दिलाने वाले अय्यर अब किंग्स के लिए दिखा रहे दम

एजेंसी । कोलकाता

शनिवार को ईडन गार्डंस स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच होने वाला मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है। यह मुकाबला सिर्फ अंक तालिका की लड़ाई नहीं, बल्कि कप्तान श्रेयस अय्यर के खिलाफ उनकी पूर्व टीम कोलकाता की साख की भी परीक्षा है।

श्रेयस का 'घर वापसी' पर इरादा कोलकाता की उम्मीदों को तोड़ने का

श्रेयस अय्यर की अगुआई में पंजाब किंग्स शानदार फॉर्म में है और अब तक पांच मुकाबले जीत चुकी है। वहीं कोलकाता आठ में से पांच मैच हारकर प्लेऑफ की दौड़ में पिछड़ चुकी है। ऐसे में एक और हार केकेआर के लिए क्वालीफाई करना बेहद मुश्किल बना देगा। ईडन गार्डंस की पिच से अच्छी तरह वाकिफ श्रेयस इस बार कोलकाता के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आएंगे। पिछला आईपीएल खिताब कोलकाता ने श्रेयस की कप्तानी में ही जीता था, लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर सबको चौंका दिया था। अब पंजाब में रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर श्रेयस न केवल कप्तानी का लुत्फ उठा रहे हैं, बल्कि तीन अर्धशतक के साथ 263 रन भी बना चुके हैं।

मुकाबले की प्रमुख भिड़ंतें
- हर्षित राणा VS प्रियांश आर्य
- रसेल VS मैक्सवेल
- रहाणे VS युज्वेंद्र चाहल

नंबर गेम
- 16 रन से हराया था पंजाब ने कोलकाता को इस सत्र में अपने घर में खेले गए पिछले मैच में
- 2 साल से कोलकाता की टीम पंजाब को हरा नहीं पाई है। पिछली जीत 2023 में ईडन गार्डंस में ही दर्ज की थी

आमने-सामने
- कुल मैच : 34
- कोलकाता जीता : 21
- पंजाब जीता : 13

केकेआर के बल्लेबाजों पर फॉर्म का संकट, बदलाव तय

कोलकाता का शीर्षक्रम लगातार विफल रहा है। रसेल, रिंकू और रमनदीप जैसे बल्लेबाजों से फिनिशिंग टच की उम्मीद रही, लेकिन वे जिम्मेदारी नहीं निभा पाए। टीम में कैरेबियाई ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल को शामिल किया जा सकता है। युवा अंगकृष रघुवंशी को अर्शदीप और चाहल जैसे दिग्गज गेंदबाजों की परीक्षा देनी होगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे तेज शुरुआत देने में नाकाम रहे हैं। पिछले सप्ताह चाहल ने रहाणे समेत रिंकू, रघुवंशी और रमनदीप के विकेट चटकाकर मैच पलट दिया था। ऐसे में कोलकाता की बल्लेबाजी में बड़ा सुधार जरूरी है।

पिच विवाद के बीच ईडन पर जीत की तलाश

कोलकाता ने इस सीजन अपने घरेलू मैदान पर चार में से सिर्फ एक मुकाबला जीता है। साथ ही पिच को लेकर क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से हुए विवाद भी सुर्खियों में हैं। ऐसे में टीम पर घरेलू दबाव भी बना रहेगा।

रहाणे पांच हजारी बनने के करीब

कोलकाता के कप्तान अजिंक्य रहाणे आईपीएल में पांच हजारी बनने के करीब हैं। वह अब तक 193 मैचों में 124.50 की स्ट्राइक रेट से 4913 रन बना चुके हैं। वह 87 और रन बनाते ही आईपीएल में पांच हजार रन बनाने वाले नौवें खिलाड़ी बन जाएंगे। साथ ही रॉबिन उथप्पा (4952) और क्रिस गेल (4965) को भी पीछे छोड़ देंगे।

हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल में बोलैंड से अधिक दावेदार : शास्त्री

एजेंसी । दुबई

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को मौका देना चाहिए। जून में लॉर्ड्स में खेले जाने वाले इस बड़े मुकाबले के लिए शास्त्री ने कहा कि हेजलवुड की गेंदबाज़ी शैली इंग्लैंड की परिस्थितियों में ज्यादा मुफीद है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, अगर हेजलवुड फिट हैं तो उन्हें बोलैंड की तुलना में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनके पास ग्लेन मैकग्रा जैसी एक जैसी लाइन-लेंथ पर लगातार गेंदबाज़ी करने की काबिलियत है, जो लॉर्ड्स की ढलान वाली पिच पर घातक हो सकती है।

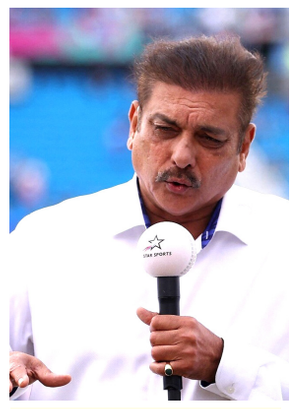

नंबर गेम

- 11 से 15 जून तक डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के सामने दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी
- 16 विकेट हेजलवुड आईपीएल के नौ मैचों में 8.37 की इकोनॉमी से अब तक बेंगलुरु की ओर से चटका चुके हैं

तीसरे तेज़ गेंदबाज़ के चयन पर मंथन

ऑस्ट्रेलिया की टीम में पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग तय है। ऐसे में तीसरे तेज़ गेंदबाज़ को लेकर ही चर्चा है। शास्त्री के मुताबिक, अगर पिच पर ज्यादा घास होती है तो ऑस्ट्रेलिया चार तेज़ गेंदबाज़ों के साथ भी उतर सकता है

बोलैंड की तारीफ़, लेकिन हेजलवुड को प्राथमिकता

शास्त्री ने कहा, "मैं बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन इंग्लैंड की पिचों पर जहां अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की ज़रूरत होती है, वहां हेजलवुड का अनुभव और लंबा कद ज्यादा असरदार हो सकता है।"

खुशी चंद सहित आठ और भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचें

- अब तक 19 भारतीय मुक्केबाजों ने किया अंतिम चार में प्रवेश

अम्मान। एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के युवा मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को खुशी चंद (46 किग्रा) और टीकम सिंह (52 किग्रा) सहित आठ और भारतीय खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह अब तक कुल 19 भारतीय मुक्केबाज अंतिम चार में पहुंच चुके हैं। पिछले साल अबु धाबी में एशियाई स्कूल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली खुशी चंद ने वियतनाम की गुयेन थी होंग येन को दूसरे ही राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट) के जरिए हराया। वहीं, टीकम सिंह ने भी फिलिस्तीन के ओथमान डायब को आरएससी में शिकस्त दी। अंबेकर मेताई (48 किग्रा) ने यूक्रेन के टिमोफी को 5-0 से हराया। उद्यम सिंह (54 किग्रा) ने जापान के रयुसी को 5-0 से मात दी। राहुल गारिया (57 किग्रा) ने भी 5-0 से जीत दर्ज की। अमन देव (50 किग्रा) ने जॉर्डन के ओसामा अल-खालदी को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। जिया (48 किग्रा) ने वियतनाम की थी रू ना दिन्ह को 5-0 से हराया। जन्नत ने यूक्रेन की अनहेलिना रुमियांत्सेवा को 4-1 से शिकस्त दी।

हेजलवुड के पास दबाव झेलने की क्षमता : फ्लावर

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने राजस्थान के खिलाफ गुरुवार को टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय गेंदबाज खेल के किसी भी प्रारूप में दबाव झेल सकता है। उसे पता कि किसी विशेष समय पर कौन सी गेंद फेंकनी है। आखिरी ओवरों में हेजलवुड की शानदार गेंदबाजी से बेंगलुरु की टीम मौजूदा सत्र में अपने घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज करने में सफल रही। फ्लावर ने मैच के बाद कहा, मैं शायद उनके आखिरी दोनों ओवर की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवर में सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवर में उस खिलाड़ी का स्तर दिखा। वह कमाल का गेंदबाज है। वह विश्व स्तरीय गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में दबाव झेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। लेकिन उसके पास हर तरह की गेंदबाजी करने की क्षमता है। उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है।

साबले और ज्योति पर उम्मीदों का दारोमदार

- 59 सदस्यीय भारतीय दल एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पेश करेगा चुनौती, नीरज नहीं खेलेंगे
- 27 से 31 मई तक दक्षिण कोरिया के गुमी में होगी चैंपियनशिप, 27 पदक जीते थे पिछले साल भारत ने

एजेंसी । नई दिल्ली

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में भारत की उम्मीदें स्टीपलचेज स्टार अविनाश साबले और 100 मीटर बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी पर टिकी होंगी। यह चैंपियनशिप 27 से 31 मई तक दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित की जाएगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने शुक्रवार को 59 सदस्यीय टीम की घोषणा की। चौंकाने वाली बात यह है कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा इस बार भी इस चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे। नीरज 2017 के बाद से एशियाई एथलेटिक्स में नहीं खेले हैं। उनका ध्यान इस साल डायमंड लीग, विश्व चैंपियनशिप और एनसी क्लासिक पर केंद्रित है।

प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी, कुछ चौंकाने वाले नदारद

पिछले सत्र के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर को फेडरेशन कप में खराब प्रदर्शन के चलते टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं, राष्ट्रीय रिकॉर्ड सुधारने के बावजूद पोल वॉल्ट एथलीट देव कुमार को भी टीम में जगह नहीं मिली। टीम में शामिल शीर्ष खिलाड़ियों में अविनाश साबले, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह जैसे नाम शामिल हैं। इन्होंने फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन एएफआई से अनुमति लेकर विदेश में प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कर रहे थे।

बॉलीवुड

सैफ की 'ज्वेल थीफ' के सीक्वल का ऐलान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी फिल्म 'ज्वेल थीफः द हीस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 25 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सैफ के साथ जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। दर्शकों ने न सिर्फ फिल्म की कहानी को सराहा है, बल्कि सैफ और जयदीप की जोड़ी को भी खूब पसंद किया है। फिल्म को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बीच अब मेकर्स ने इसके सीक्वल की घोषणा भी कर दी है। फिल्म 'ज्वेल थीफ' के अंत में मेकर्स ने इसके सीक्वल का ऐलान कर दिया है। अगली कड़ी का नाम 'ज्वेल थीफः द हीस्ट कंटीन्यूज' रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले भाग की तरह इस बार भी सैफ अली खान और रणदीप हुड्डा आमने-सामने होंगे। दोनों एक बार फिर अपने पुराने किरदारों में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि 'ज्वेल थीफः द हीस्ट कंटीन्यूज' भी नेटफ्लिक्स पर ही स्ट्रीम होगी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं की गई है। 'ज्वेल थीफ' में सैफ और रणदीप के साथ-साथ कुणाल कपूर और निकिता दत्ता ने भी अपनी दमदार मौजूदगी से फिल्म में जान डाल दी है। फिल्म में सैफ अली खान ने रेहान रॉय नाम के एक शातिर चोर का किरदार निभाया है। इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने किया है, जबकि इसके निर्माता हैं सिद्धार्थ आनंद। दिलचस्प बात यह है कि इसके दूसरे भाग 'ज्वेल थीफः द हीस्ट कंटीन्यूज' का निर्देशन भी गुलाटी और ग्रेवाल की जोड़ी ही करेगी, और इसे भी सिद्धार्थ आनंद ही प्रोड्यूस करेंगे।

पाकिस्तान में रिलीज नहीं होगी सुनील शेट्टी की 'केसरी वीर'

लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' इस समय चर्चा में है, लेकिन सुनील शेट्टी की यह फिल्म पाकिस्तान में रिलीज नहीं होगी। फिल्म निर्माता कनु चौहान ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद यह बड़ा फैसला लिया है। सुनील शेट्टी की यह फिल्म 16 मई को भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और उत्तरी अमेरिका जैसे अन्य अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर 29 अप्रैल को मुंबई में लॉन्च किया जाएगा। इस ऐतिहासिक एक्शन-ड्रामा में सूरज पंचोली, विवेक ओबेरॉय और आकांक्षा शर्मा भी हैं। फिल्म के निर्माता कनु चौहान ने दिए इंटरव्यू में खुलासा किया, मैंने अपने विदेशी वितरक से कहा है कि मैं नहीं चाहता कि मेरी फिल्म पाकिस्तान में रिलीज हो। मैं कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैंने यह बड़ा फैसला लिया है। अब 'केसरी वीर' पाकिस्तान में रिलीज नहीं होगी। यह आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को मेरी श्रद्धांजलि है। यह मेरा स्टैंड है। फिल्म 'केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' दर्शकों के सामने उन अज्ञात योद्धाओं की कहानी पेश करेगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को आक्रमणकारियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति दे दी।

फिल्म समीक्षा : ग्राउंड जीरो → **रेटिंग: ★★★½**

बलिदान और मानवीय जज़्बातों की सच्ची कहानी

@लोकेश चंद्रा

'कश्मीर है... पता नहीं कब मौसम बदल जाए', ये बात इन दिनों और भी ज्यादा सच लगने लगी है। देश इस वक्त आतंकी हमले की घटनाओं से हिला हुआ है, और कश्मीर में हालिया हमले ने लोगों के गुस्से और दर्द को और भड़का दिया है। ऐसे माहौल में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने भी आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दे पर कई सशक्त फिल्में बनाई हैं। ये फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों तक हमलों की भयावहता और उससे जुड़ी बहादुरी की कहानियों को पहुंचाने का एक जरिया बनती हैं। ऐसे सिनेमा के ज़रिए जनता न सिर्फ जागरूक होती है, बल्कि उसे सच्चाई का सामना करने और उससे सीखने का मौका भी मिलता है।

कलाकार: इमरान हाशमी,सई ताम्हणकर,जोया हुसैन एकलव्य तोमर,रॉकी रैना
निर्देशक: तेजस प्रभा विजय देऊस्कर

फिल्म 'ग्राउंड जीरो':

भारत और पाकिस्तान के रिश्ते हमेशा से ही तनावपूर्ण रहे हैं, चाहे वो 1965 की जंग हो या 1999 का कारगिल युद्ध। साल 2001 में संसद पर हुए आतंकी हमले ने इन संबंधों में और भी खटास ला दी थी। ऐसे माहौल में जब भी आतंकवाद पर आधारित कोई फिल्म सामने आती है, तो वो दर्शकों के दिल को छूती है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड में देशभक्ति और सच्ची घटनाओं पर आधारित कहानियों का क्रेज कभी कम नहीं होता। अब इसी कड़ी में एक और फिल्म ने दस्तक दी है, 'ग्राउंड जीरो'। यह फिल्म आतंकवाद के खिलाफ जंग और बहादुरी की कहानी को पर्दे पर उतारती है, जो दर्शकों के लिए एक भावनात्मक और प्रेरणादायक सफर साबित हो रही है।

कहानी:

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' की कहानी की शुरुआत होती है साल 2001 से, जब भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव चरम पर था। कश्मीर की वादियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस वक्त बीएसएफ के जांबाज अफसर नरेंद्र नाथ धर दुबे यानी इमरान हाशमी के कंधों पर थी। जैश-ए-मोहम्मद और गाजी बाबा जैसे आतंकियों के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। अक्षरधाम मंदिर पर हमला हो या संसद पर अटैक, इन सबके पीछे गाजी बाबा का ही हाथ था। उसे पकड़ने के लिए नरेंद्र दुबे ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों तक से टकराने में हिचक नहीं दिखाई। इतिहास गवाह है कि गोलियां खाने के बावजूद नरेंद्र नाथ दुबे ने हार नहीं मानी और गाजी बाबा को पकड़ने में सफलता हासिल की। यह फिल्म उन्हीं की सच्ची और साहसी कहानी पर आधारित है। अगर आप इस बहादुरी को बड़े पर्दे पर महसूस करना चाहते हैं, तो थिएटर जाना बिल्कुल बनता है।

डायरेक्शन:

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का निर्देशन तेजस प्रभा विजय देऊरकर ने किया है, जबकि इसकी कहानी को सचिन गुप्ता और प्रियदर्शी श्रीवास्तव ने लिखा है। डायरेक्शन की बात करें तो तेजस ने अपने निर्देशन से कहानी में जान फूंक दी है। फिल्म में आतंकवादियों के साथ हुए मुठभेड़ों को बेहद रियल और इंटेंस तरीके से फिल्माया गया है, जो कहानी के साथ पूरी तरह मेल खाता है। वहीं, फिल्म का स्क्रीनप्ले भी टाइट है, ना कहीं बोझिल लगता है और ना ही ट्रैक से भटकता है। कुल मिलाकर डायरेक्शन और राइटिंग दोनों ही स्तर पर फिल्म ने मजबूत छाप छोड़ी है। है, जिससे फिल्म का सपोर्टिंग कास्ट भी मजबूत नजर आता है।

क्यों देखें :

इस वक्त देशभक्ति फिल्मों का जो दौर चल रहा है, उसमें 'ग्राउंड जीरो' बिल्कुल फिट बैठती है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि भारत के असल हीरो नरेंद्र नाथ धर दुबे की बहादुरी और बलिदान का दस्तावेज़ है। फिल्म में ना सिर्फ एक्शन और इमोशन है, बल्कि देश के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा भी मिलती है। ऐसे में यह फिल्म ज़रूर देखी जानी चाहिए।

कलाकार:

इमरान हाशमी पूरी तरह से केंद्र में हैं, और चूंकि यह एक रियल लाइफ स्टोरी पर आधारित है, तो उनका फोकस में होना बिल्कुल स्वाभाविक भी लगता है। उन्होंने नरेंद्र नाथ धर दुबे के किरदार में जबरदस्त समर्पण दिखाया है। उनकी पत्नी की भूमिका में सई ताम्हणकर नजर आई हैं, और भले ही उनका स्क्रीन टाइम सीमित हो, लेकिन जितनी बार भी स्क्रीन पर दिखीं, उन्होंने अपने अभिनय से छाप छोड़ दी। वहीं, जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, दीपक परामेश, ललित प्रभाकर, रॉकी रैना और राहुल वोहरा जैसे कलाकारों ने भी अपने-अपने किरदारों को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया

संगीत:

फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के एक्शन सीक्वेंस के दौरान बैकग्राउंड स्कोर जबरदस्त है, जिसे जॉन स्टुअर्ट एडुरी ने कंपोज किया है। उनका म्यूजिक हर एक्शन सीन में थ्रिल और टेंशन को शानदार तरीके से उभारता है। जहां तक गानों की बात है, तो फिल्म में तनीष बागची, रोहन-रोहन, इरशाद कामिल, रश्मि विराग और सनी इंदर ने मिलकर कुछ गाने दिए हैं। हालांकि ये गाने यादगार तो नहीं बन पाए, लेकिन फिल्म के इमोशनल सीन्स में ये बैकग्राउंड में असर छोड़ते हैं। फिल्म की बात करें तो इसका फर्स्ट हाफ ही पेस पकड़ लेता है और दर्शकों को स्क्रीन से जोड़कर रखता है। कुछ ऐसे दृश्य भी हैं जो दिल को झकझोर कर रख देते हैं, और क्लाइमैक्स तक आते-आते देश और बीएसएफ जवान नरेंद्र नाथ धर दुबे पर गर्व महसूस होता है।

84 साल की आयु में बेंगलुरु में ली अंतिम सांस

अंतरिक्ष वैज्ञानिक और पूर्व इसरो प्रमुख कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन का निधन

एजेंसी । बेंगलुरु

इसरो के पूर्व अध्यक्ष कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। बेंगलुरु आवास पर उन्होंने 84 साल की आयु में अंतिम सांस ली। सुबह 10 बजे के करीब उनकी मौत हुई। रविवार को अंतिम संस्कार से पहले रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा।

स्पेस साइंटिस्ट के तौर पर दी सेवाएं

कस्तूरीरंगन सबसे लम्बे समय तक इसरो चीफ के पद पर कार्यरत रहे हैं। वह 10 साल तक इसरो के चेयरमैन रहे। इसके अलावा कस्तूरी रंगन के सरकारी नीतियों के फार्मूलेशन में भी योगदान दिया। डॉ कस्तूरीरंगन ने 27 अगस्त, 2003 को रिटायरमेंट से पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग में भारत सरकार के सचिव के रूप में 9 वर्षों से अधिक समय तक काम किया।

ज्ञान के प्रति अपने जुनून के साथ उन्होंने विविध क्षेत्रों में काफी योगदान दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने में सहायता की जो अगली पीढ़ी को आकार देने का काम कर रही है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

भारत की वैज्ञानिक और शैक्षिक यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कस्तूरीरंगन ने इसरो में बहुत लगन से काम किया।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कस्तूरीरंगन ने संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनका निधन वैज्ञानिक समुदाय के साथ-साथ देश के लिए भी एक बड़ी क्षति है।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

डॉ. के. कस्तूरीरंगन के परिवार और सहकर्मियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। एक दूरदर्शी व्यक्ति जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

डॉ. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में इसरो ने रचा इतिहास

डॉ. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में इसरो ने भारत के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के सफल प्रक्षेपण और संचालन सहित कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की। डॉ. कस्तूरीरंगन ने जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) के पहले सफल उड़ान परीक्षण की भी देखरेख की। उनके कार्यकाल में आईआरएस-1सी और 1डी सहित प्रमुख उपग्रहों का विकास और प्रक्षेपण और दूसरी और तीसरी पीढ़ी के इनसैट उपग्रहों की शुरुआत हुई। इन प्रगति ने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति के रूप में मजबूती से स्थापित कर दिया।

मानहानि केस

मेधा पाटकर को कोर्ट से राहत

- 25 हजार के मुचलके पर रिहा
- अगली सुनवाई 3 मई को

एजेंसी । नई दिल्ली

नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को मानहानि के एक पुराने मामले में दिल्ली की साकेत अदालत से शुक्रवार को राहत मिली। अदालत ने उन्हें 25,000 के मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 मई 2025 को तय की गई है।

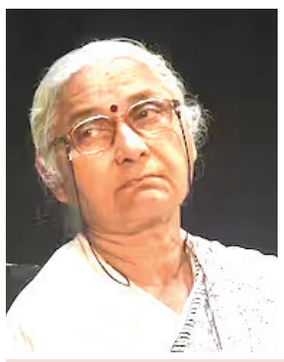

कोर्ट ने जारी किया था गैर-जमानती वारंट

पिछले आदेशों के अनुसार, मेधा पाटकर को परिवीक्षा की शर्तों का पालन करना था। निर्धारित तिथि पर अनुपस्थित रहने और अदालत के निर्देशों की अवहेलना के चलते उनके खिलाफ 23 अप्रैल को गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था।

गैर-जमानती वारंट के बाद हुई गिरफ्तारी

दिल्ली पुलिस ने पाटकर को निजामुद्दीन इलाके से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी अदालत के आदेशों की अनुपालना न करने के चलते की गई थी। पाटकर को शुक्रवार दोपहर साकेत जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विपिन खरब की अदालत ने मौखिक रूप से मुचलका भरने की शर्त पर उन्हें रिहा किया।

23 साल पुराना है मामला

यह मामला साल 2001 में दायर किया गया था। उस समय दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना अहमदाबाद स्थित NGO 'नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज' के प्रमुख थे। सक्सेना का आरोप है कि मेधा पाटकर ने 25 नवंबर 2000 को एक प्रेस नोट में उन्हें कायर, देशविरोधी और हवाला लेन-देन में शामिल बताया था।

अग्निवीर अभ्यर्थियों से जबरन वसूली का आरोप

एजेंसी । भुवनेश्वर

ओडिशा पुलिस ने नवंबर 2024 में भर्ती अभियान के दौरान अग्निवीर अभ्यर्थियों से जबरन वसूली करने के आरोप में खुर्दा जिले में दो सेवारत नौसेना कर्मियों समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सत्यम चाहर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में आईएनएस केसरी, अंडमान और निकोबार में कार्यरत हैं। इसके अलावा विनय कुमार रे वर्तमान में आईएनएस चिलिका में तैनात हैं और सेवानिवृत्त नौसेना अधिकारी भूषण उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। तीनों को आईएनएस चिल्का में प्रशिक्षण पत्राचार अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर अद्वितीय सिंह की ओर से 19 अप्रैल को बालूगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

दो नौसेना कर्मियों समेत तीन लोग गिरफ्तार

रेलवे पदोन्नति परीक्षा में गड़बड़ी की जांच करेगी CBI

- लोकपाल ने दिए जांच के आदेश
- ओएमआर शीट में छेड़छाड़ और रिश्वत के आरोप

एजेंसी । नई दिल्ली

रेलवे में मई 2023 में आयोजित पदोन्नति परीक्षाओं में धांधली के आरोपों की सीबीआई जांच करेगी। लोकपाल ने एक शिकायत पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो को व्यापक जांच का आदेश दिया है। आरोप है कि रेलवे अधिकारियों ने रिश्वत लेकर ओएमआर शीट में हेराफेरी की थी। रेलवे ने 13 और 17 मई 2023 को पदोन्नति के लिए परीक्षाएं आयोजित की थीं। लोकपाल को दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि कुछ अधिकारियों ने पदोन्नति दिलाने के एवज में पैसे लेकर ओएमआर शीट में छेड़छाड़ की। शिकायत पर सुनवाई के दौरान लोकपाल को यह भी बताया गया कि इस तरह की एक और शिकायत पिछले वर्ष भी दर्ज हुई थी।

पहले से दर्ज है एक मुकदमा

लोकपाल के 21 फरवरी 2025 के आदेश के बाद सीबीआई ने एक मामले में रेलवे के छह अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के तहत केस दर्ज किया है। अब इसी आदेश के तहत इस ताजा मामले को भी उसी केस में शामिल कर विस्तृत जांच का निर्देश दिया गया है।

लोकपाल की सख्त टिप्पणी

लोकपाल की पीठ, जिसकी अध्यक्षता जस्टिस एम.एम. खानविलकर कर रहे हैं, ने कहा कि सभी तथ्यों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इस घोटाले में अन्य अधिकारियों की भी संलिप्तता हो सकती है। इसलिए सीबीआई को निर्देश दिया जाता है कि सभी दस्तावेज, बयानों और रिपोर्टों को साझा करते हुए गहराई से जांच की जाए।

सीबीआई को जांच सौंपी

अब सीबीआई को न सिर्फ इस ताजा मामले की जांच करनी है, बल्कि पहले से दर्ज मुकदमे के साथ इसे जोड़ते हुए व्यापक रूप से पूरे घोटाले की परतें खोलनी होंगी। इसमें यह भी देखा जाएगा कि किन-किन स्तरों पर नियमों का उल्लंघन और भ्रष्टाचार हुआ।

नेशनल हेराल्ड मामला

सोनिया-राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से कोर्ट ने किया इनकार

ईडी ने कहा कि वे नहीं चाहते कि मामला लंबा खिंचे

एजेंसी । नई दिल्ली

राउज एवेन्यू अदालत ने शुक्रवार को फिलहाल कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड धनशोधन मामले में नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए दो मई की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत में पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी भी मौजूद रहे थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल और वरिष्ठ

अधिवक्ता एसवी राजू ने अदालत के समक्ष दलील दी कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत आरोपियों को सुने बिना आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता।

दस्तावेजों की कमी पर भी उठाए सवाल

■ अदालत ने आरोपपत्र में आवश्यक दस्तावेजों की कमी पर भी सवाल उठाया। जिसकी जानकारी अदालत के अल्हमद ने दी थी। अदालत ने ईडी को निर्देश दिया कि वह आरोपपत्र में सभी जरूरी दस्तावेज पेश करे, उसके बाद ही नोटिस जारी करने पर विचार किया जाएगा। ईडी ने यह भी कहा कि वे कुछ भी छिपा नहीं रहे हैं। वह आरोपियों को संज्ञान लेने से पहले अपना पक्ष रखने का अवसर दे रहे हैं।

चारों ओर से घिरने के बाद बैकफुट पर आए नक्सली

एजेंसी । रायपुर

■ ऑपरेशन 'ऑल आउट' पर रोक की मांग
■ माओवादियों ने सरकार को भेजा पत्र

छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा पर चल रहे सुरक्षा बलों के साझा 'ऑपरेशन ऑल आउट' के दबाव में अब नक्सली बैकफुट पर आते नजर आ रहे हैं। बीजापुर-तेलंगाना बॉर्डर के करेगुट्टा पहाड़ी इलाके में चार दिन से चल रही इस बड़ी कार्रवाई के बीच माओवादियों ने संयुक्त बलों के इस अभियान को तत्काल रोकने की मांग की है। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन में सीआरपीएफ की जीडी बटालियन, कोबरा यूनिट, छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी, स्पेशल टास्क फोर्स और तेलंगाना पुलिस के जवान शामिल हैं।

पत्र जारी कर माओवादियों ने रखी शांति वार्ता की पेशकश

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो प्रभारी 'रूपेश' ने शुक्रवार को एक पत्र जारी कर इस अभियान पर सवाल उठाए। पत्र में कहा गया है कि सरकार शांति वार्ता के रास्ते को नजरअंदाज कर सैन्य बल का उपयोग कर रही है। संगठन ने सरकार से एक महीने के लिए ऑपरेशन को स्थगित करने और बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की अपील की है।

टॉप माओवादी नेताओं के घिरे होने की आशंका

सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन में माओवादी कमांडर हिड़मा, देवा और सुधाकर जैसे शीर्ष नेता भी सुरक्षा बलों के घेरे में आ चुके हैं। ऑपरेशन की गंभीरता को देखते हुए सीआरपीएफ के डीजी खुद रायपुर से इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। बस्तर के आईजी सुंदरराज पी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

बांदीपोरा मुठभेड़ में लश्कर आतंकी अल्ताफ लल्ली ढेर

सुरक्षा बलों ने दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी रखी

एजेंसी । बांदीपोरा

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शुक्रवार को हुई एक मुठभेड़ में लश्कर ए तैयबा के आतंकवादी अल्ताफ लल्ली को ढेर कर दिया गया। मुठभेड़ बांदीपोरा के कुलनार बाजीपुरा जंगल में तड़के शुरू हुई, जहां सुरक्षा बलों को दो आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। जैसे ही जवान एक ठिकाने की ओर बढ़े, आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

दूसरे आतंकवादी की तलाश जारी

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया आतंकी अल्ताफ लल्ली लश्कर ए तैयबा से जुड़ा हुआ था। सेना की चिनार कोर ने भी मुठभेड़ की पुष्टि की है और एक अन्य आतंकी की तलाश जारी है। एक दिन पहले ही, सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा जिले में दो अलग-अलग अभियानों में लश्कर के चार संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया था, जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट से पंजाब सरकार को झटका

- बिक्रम मजीठिया की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट से शुक्रवार को पंजाब सरकार को बड़ा झटका लगा। शीर्ष अदालत ने पंजाब सरकार की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को ड्रग्स मामले में दी गई जमानत को चुनौती दी गई थी।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि वह 10 अगस्त, 2022 को हाईकोर्ट से दी गई जमानत के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर विचार नहीं करेगी।

पीठ ने मजीठिया और राज्य जांच एजेंसी से मामले की जांच के बारे में मीडिया को कोई बयान नहीं देने को भी कहा।

2018 की रिपोर्ट के आधार पर शिअद नेता पर मामला दर्ज किया गया था

■ राज्य में ड्रग रैकेट पर एसटीएफ की 2018 की रिपोर्ट के आधार पर शिअद नेता पर मामला दर्ज किया गया था। एसटीएफ की रिपोर्ट जगजीत सिंह चहल, जगदीश सिंह भोला और मनिंदर सिंह औलख सहित कुछ आरोपियों द्वारा प्रवर्तन निदेशालय को दिए गए इकबालिया बयानों पर आधारित थी।

जमानत रद्द करने की मांग करने की स्वतंत्रता दी

शीर्ष अदालत ने एंटी-ड्रग स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को मजीठिया की जमानत रद्द करने की मांग करने की स्वतंत्रता दी, यदि वह ड्रग्स मामले में गवाहों या मुकदमे को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। पीठ ने एसटीएफ से मामले पर कोई भी सार्वजनिक बयान देने से पहले उसकी पूर्व अनुमति लेने को भी कहा। इससे पहले मजीठिया 10 अगस्त, 2022 को जमानत पर पटियाला जेल से बाहर आए थे।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि वह दोषी नहीं हैं।

इंपीरियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने जालंधर स्थित इंपीरियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द करने की शुक्रवार को जानकारी दी। ऋणदाता के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं न होने के कारण यह कदम उठाया गया। पंजाब सरकार के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार से भी बैंक को बंद करने और बैंक के लिए एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया है। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि का पांच लाख रुपये तक पा सकेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंक के आंकड़ों के अनुसार 97.79 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी पूरी जमा राशि पा सकेंगे।

फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट अनिवार्य

- कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने किया एलान

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने शुक्रवार को घोषणा की कि फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अब नीट के दायरे में आएगा, जो मानकीकृत चिकित्सा शिक्षा की दिशा में राष्ट्रीय कदम के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि योग्यता-आधारित शिक्षा और गहन नैदानिक अनुभव को सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम की अवधि को पांच वर्ष तक बढ़ा दिया गया है। बंगलूरू में फिजियोथेरेपी पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कर्नाटक फिजियोकॉन-25 के उद्घाटन पर बोलते हुए, मंत्री पाटिल ने नीट के दायरे में फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश को शामिल करने के लिए राज्य सरकार के समर्थन को व्यक्त किया। एक बयान में उनके हवाले से कहा गया, 'हम नीट के तहत फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों के एकीकरण का स्वागत करते हैं, जो शैक्षणिक गुणवत्ता और पेशेवर मानकों को बढ़ाएगा।' इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक छात्रों को संबोधित करते हुए, मंत्री पाटिल ने स्वास्थ्य सेवा स्पेक्ट्रम में फिजियोथेरेपिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला - प्रसव से लेकर बुजुर्गों की देखभाल तक।

स्वास्थ्य सेवा में फिजियोथेरेपिस्ट की अहम भूमिका : मंत्री

उन्होंने कहा, 'फिजियोथेरेपिस्ट आज न्यूरो और आर्थोपेडिक रिहैब, कार्डियोपल्मोनरी केयर, विकलांगता सहायता, खेल चिकित्सा, फिटनेस और समुदाय-आधारित देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।' उन्होंने प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मांग को पूरा करने के लिए अधिक सरकारी कॉलेजों में फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम शुरू करने की राज्य की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया।